इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



02

इंदौर महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

04

अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का शिकंजा



youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, बुधवार, 04 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 48, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

सागर एसपी पद से हटाए जाने के 4 दिन बाद लिया फैसला

आईपीएस सुजानिया ने दिया इस्तीफा

मृदुभाषी। भोपाल/सागर

मध्य प्रदेश कैडर के 2014 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अनुराग सुजानिया ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है।

राज्य सरकार द्वारा सागर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद से हटाए जाने के ठीक चार दिन बाद, सुजानिया ने सोमवार को अपना इस्तीफा शासन को सौंप दिया। उन्होंने अपनी सेवा छोड़ने के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। उनके इस अचानक उठाए गए कदम के बाद प्रदेश के प्रशासनिक और पुलिस गलियारे में हड़कंप मच गया है। मूल रूप से राजस्थान के निवासी अनुराग सुजानिया को एक कुशल पुलिस अधिकारी माना जाता रहा है, लेकिन सागर और मुरैना जिले में बतौर एसपी पदस्थापना के दौरान हुए जहरीली शराब कांड के चलते वे काफी चर्चा में रहे। वर्ष 2021 में मुरैना में हुए जहरीली शराब कांड में 24 से अधिक लोगों की जान चली गई थी, जिसकी विभागीय जांच में पुलिस संरक्षण में अवैध शराब बेचे जाने की बात सामने आई थी। इसके बाद हाल ही में सागर जिले में भी जहरीली शराब से 15 लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद राज्य सरकार ने कड़ा संज्ञान लेते हुए सागर एसपी अनुराग सुजानिया के साथ वहां के कलेक्टर को भी पद से हटा दिया था।



सीएम ने बुलाई आपात बैठक

आईपीएस अधिकारी के अचानक त्यागपत्र देने की खबर सामने आते ही राज्य सरकार पूरी तरह प्रशासनिक रूप से सक्रिय हो गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने स्वयं पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय महत्वपूर्ण बैठक की सागर के पूर्व एसपी के इस अप्रत्याशित इस्तीफे और पीएचक्यू में बुलाई गई आपात बैठक को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हल्कों में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

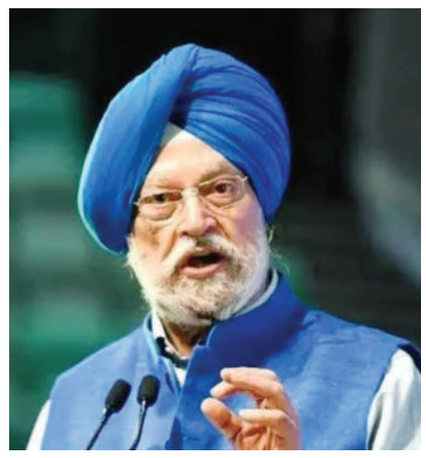
हरदीप सिंह पुरी का राज्यसभा जाना तय, नामांकन वैध करार

आपत्तियां खारिज; कांग्रेस ने उठाए भेदभाव के आरोप

मृदुभाषी। भोपाल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक रिक्त सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नामांकन पत्र विधिवत जांच के बाद वैध घोषित कर दिया गया है। मंगलवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा (जांच) के दौरान उनके पर्चे पर तीन लोगों द्वारा आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं, जिन्हें रिटर्निंग ऑफिसर ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। अब 5 नवंबर को दोपहर तीन बजे नाम वापसी की प्रक्रिया के बाद उनके निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो सकता है।

मंगलवार दोपहर दो बजे निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्रों की जांच शुरू हुई। इस दौरान कांते सयन्ना, कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे और निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी की ओर से लिखित आपत्तियां दर्ज कराई गईं। आपत्तिकर्ताओं का मुख्य तर्क था कि उम्मीदवार द्वारा जमा किया गया फॉर्म-26 शपथ पत्र अधूरा और अमान्य है। विधायक हेमंत कटारे ने 'द कंडक्ट ऑफ इलेक्शंस रूल्स, 1961' का हवाला देते हुए दावा किया कि दस्तावेजों पर सिर्फ 'अटेस्टेड' लिखा है जबकि इसे विधिवत शपथपूर्वक प्रमाणित होना चाहिए था। इसके अलावा शपथपत्र में पत्नी का नाम न होने तथा अमेरिकी डॉलर व स्विस फ्रैंक जैसी विदेशी मुद्राओं में संपत्ति का विवरण नियमों के अनुरूप न होने का आरोप भी लगाया गया। रिटर्निंग ऑफिसर उमेश कुमार शर्मा ने दोनों पक्षों की दलीलों और उपलब्ध दस्तावेजों की गहन जांच की। निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जांच में आपत्तियों के समर्थन में पर्याप्त कानूनी आधार नहीं पाए गए। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 33, 34 और 36 के किसी भी अनिवार्य प्रावधान का उल्लंघन नहीं मिला तथा फॉर्म-26 को पूरी तरह नियमानुसार पाया गया। इसके चलते सभी आपत्तियों को खारिज कर हरदीप सिंह पुरी का नामांकन स्वीकार कर लिया गया।



कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी का नामांकन हो चुका है निरस्त

इस पूरी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार लोहानी का नामांकन फॉर्म-26 निर्धारित तरीके से भौतिक रूप से जमा न होने के कारण निरस्त कर दिया गया था, क्योंकि उन्होंने इसे ई-मेल के जरिए भेजा था। लोहानी और कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि निर्दलीय प्रत्याशी का पर्चा छोटी तकनीकी कमी पर तुरंत खारिज कर दिया गया, जबकि भाजपा प्रत्याशी को अपना पक्ष रखने और कमियां सुधारने का अवसर दिया गया। कांग्रेस ने निर्वाचन अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि यदि नियमों की अनदेखी कर किसी को राहत दी गई, तो इस फैसले को चुनाव आयोग के साथ-साथ उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।



राहुल गांधी ने फिर पीएम को दी डिबेट की चुनौती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे बहस (डिबेट) की खुली चुनौती दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर जारी 1.50 मिनट के एक वीडियो में राहुल गांधी ने कहा, '24 घंटे हो गए मोदी जी, मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हैं कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए और मेरे साथ डिबेट कीजिए।'

राहुल गांधी ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत।' उन्होंने कहा कि इस बहस में देश के फाइनेंशियल सिस्टम, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर, यूएस डील, अडानी मामले और एपस्टीन जैसे कई अहम मुद्दों पर खुलकर चर्चा होगी। उन्होंने तंज कसते हुए आगे कहा, 'बाकी चीजों पर आपने मेरे ऊपर 45 डिफेमेशन केस लगा रखे हैं, लेकिन इस फॉरेन कनेक्शन के मामले पर आप मानहानि का केस नहीं लगा रहे हैं। लगाइए ना, वहां भी खुलकर बात करेंगे। आइए, बहस करते हैं। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।' दूसरी ओर, गृहमंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के आरोपों और बहस की चुनौती पर पलटवार करते हुए कहा, 'मैं कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।

मध्य प्रदेश कैबिनेट का बड़ा फैसला: वन संरक्षण, सिंचाई परियोजनाओं और शहरी विकास को भारी-भरकम राशि, स्वास्थ्य-शिक्षा व लोकायुक्त के लिए भी बजट स्वीकृत

MP में 23 हजार करोड़ से संवरेंगे जंगल, खेत

मृदुभाषी। भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्य प्रदेश के समग्र विकास, पर्यावरण संतुलन और बुनियादी ढांचे को मजबूती देने के लिए 23 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के कई ऐतिहासिक प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि इस भारी-भरकम राशि से प्रदेश में वनों के संवर्धन, सिंचाई तंत्र के विस्तार, शहरी अधोसंरचना और स्वास्थ्य के क्षेत्र में औद्योगिक निवेश को अभूतपूर्व गति मिलेगी।

कैबिनेट ने प्रदेश में पर्यावरण संतुलन और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी 9 प्रमुख योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए सर्वाधिक 17,240 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। 16वें वित्त आयोग की अवधि यानी 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के लिए मंजूर इस राशि में से 10,664 करोड़ रुपये से अधिक की राशि कार्यकारी योजना संगठन व वन वृत्तों की स्थापना पर खर्च होगी। क्षतिपूर्ति वनीकरण के लिए 1,994 करोड़, राष्ट्रीय उद्यानों की स्थापना और टाइगर रिजर्व के विकास के लिए 1,623 करोड़, इमारती लकड़ी उत्पादन के लिए 1,107 करोड़ तथा उज्जैन व जबलपुर में नए जू एवं रेस्क्यू सेंटर की स्थापना के लिए 604 करोड़ की व्यवस्था की गई है।



सिंचाई परियोजनाओं के लिए सरकार ने खोली तिजोरी

कृषि और जल प्रबंधन को मजबूती देने के उद्देश्य से पन्ना, विदिशा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और उज्जैन जिले की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं के लिए 4,103 करोड़ 73 लाख रुपये का अनुमोदन किया गया है। इसमें पन्ना की मझगांव मध्यम परियोजना के लिए 69.36 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं, जिससे 13,060 हेक्टेयर में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली विकसित होगी। विदिशा की टेम सिंचाई परियोजना के लिए 277.52 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जो 12,814 हेक्टेयर कृषि भूमि को सींचने के साथ पेयजल संकट भी दूर करेगी। वहीं मऊगंज, सीधी और सिंगरौली के लिए निर्माणाधीन सीतापुर हनुमना माइक्रो सिंचाई परियोजना के संचालन व संधारण हेतु 3,620.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिससे सोन नदी पर बैराज बनाकर 1,20,000 हेक्टेयर में सिंचाई क्षमता विकसित होगी। इसके अलावा उज्जैन में शिप्रा नदी को वर्ष भर निरंतर प्रवाहमान रखने के लिए सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना हेतु 136.03 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट और पेयजल का विस्तार

प्रदेश के शहरों में नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने के लिए 'मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना' को वर्ष 2027 से 2029 तक निरंतर रखते हुए 700 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट मंजूर किया गया है। इसके तहत सड़कों, नालियों, स्ट्रीट लाइट, रैन बसेरों और पेयजल व्यवस्था का विस्तार होगा। स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में औद्योगिक निवेश और रोजगार बढ़ाने हेतु 'उद्योग निवेश संवर्धन सहायता योजना' के लिए 610 करोड़ 51 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए लोकायुक्त संगठन हेतु 573 करोड़ 85 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। जनजातीय गौरव के संरक्षण की दिशा में जबलपुर स्थित राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह संग्रहालय के संचालन के लिए सहायक अनुसंधान अधिकारी के पद सृजन और 83.18 लाख रुपये के वार्षिक व्यय को भी मंजूरी दी गई।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम कटने पर फॉर्म-6 भरने में न डरें

नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम हटने के बाद परेशान हो रहे करोड़ों मतदाताओं के लिए निर्वाचन आयोग ने एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी घोषणा की है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी नागरिक का नाम वोटर लिस्ट से कट गया है, तो वह बिना किसी कानूनी डर के दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भर सकता है।

भले ही कोई व्यक्ति पिछले 10 वर्षों या उससे अधिक समय से मतदाता रहा हो, उसे दोबारा सूची में शामिल होने के लिए फॉर्म-6 ही जमा करना होगा। आयोग ने भरोसा दिया है कि इसे किसी भी सूरत में झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा और न ही इसके लिए मतदाता पर कोई कानूनी कार्रवाई या केस दर्ज होगा। यह फैसला उन लाखों लोगों के लिए एक बड़ी राहत बनकर आया है, जिनका नाम एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटा दिया गया था। फॉर्म-6 के प्रारूप में यह लिखना होता है कि 'मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है'।

नेपाल में लैंडिंग के दौरान हादसा

दो हेलिकॉप्टर आपस में टकराए, भारतीय की मौत

मृदुभाषी। नई दिल्ली

नेपाल के प्रसिद्ध एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। इस भीषण दुर्घटना में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड के एक भारतीय मूल के नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यह हादसा दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराने के कारण हुआ।

यह दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 8:11 बजे सोलुखुम्बु जिले के फेरीचे हेलीपैड पर उस समय हुई जब फिशटेल एयर और एयर डायनेस्टी के दो हेलिकॉप्टर वहां उतरने का प्रयास कर रहे थे। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में फिशटेल एयर के हेलिकॉप्टर में सवार भारतीय पर्यटक वसंत कुमार बालारामारामाडु की मौत हो गई। वहीं, इसी हेलिकॉप्टर में सवार न्यूजीलैंड के नागरिक और भारतीय मूल के शैलेश कृष्ण पटेल घायल हो गए, जिनका उपचार किया जा रहा है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में अक्सर बदलता मौसम, संकरी घाटियां और जोखिम भरे रनवे विमानों व हेलिकॉप्टरों की उड़ानों के लिए बड़ी चुनौती बनते रहे हैं। नेपाली अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय एक हेलिकॉप्टर लुकला से आ रहा था, जबकि दूसरा एवरेस्ट बेस कैंप के पास गोरक्षेप की तरफ से लौट रहा था। दोनों हेलिकॉप्टर अलग-अलग दिशाओं से एक ही हेलीपैड पर उतरने की कोशिश कर रहे थे।



अब राजभवन के पन्नों में झांक सकेंगे अजय दुबे, रास्ता साफ

15 साल बाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मृदुभाषी। जबलपुर

सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मध्य प्रदेश राजभवन से राज्यपाल द्वारा केंद्र सरकार को भेजी जाने वाली गोपनीय मासिक रिपोर्ट और केंद्रीय पत्राचार की जानकारी मांगने से जुड़े 15 साल पुराने चर्चित मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की युगलपीठ ने बड़ा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश अल्पेश यशवंत कोगजे और न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने एकलपीठ के पूर्व आदेश में संशोधन करते हुए आवेदक को संबंधित दस्तावेजों का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने और उसके बाद आवश्यक फाइलों की जानकारी स्पष्ट करते हुए नया आवेदन प्रस्तुत करने का स्पष्ट निर्देश दिया है।

पूरा मामला भोपाल निवासी अजय दुबे द्वारा 12 दिसंबर 2011 को राजभवन सचिवालय के लोक सूचना अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत आरटीआई आवेदन से शुरू हुआ था। इसमें 1 जनवरी 2011 के बाद से तत्कालीन राज्यपाल द्वारा राज्य के शासन-प्रशासन और राजनीतिक स्थितियों के संबंध में भारत सरकार को भेजी गई गोपनीय मासिक रिपोर्टों तथा केंद्र सरकार की ओर से राजभवन को मिले पत्रों व निर्देशों का ब्योरा मांगा गया था। लोक सूचना अधिकारी द्वारा आवेदन को अस्पष्ट बताकर खारिज करने के बाद प्रथम अपीलीय अधिकारी ने 23 फरवरी 2012 को आवेदक को अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जिसे राज्य सूचना आयोग ने भी 17 अगस्त 2015 को सही ठहराया था।



युगलपीठ का अंतिम रुख

आदेश का पालन न होने पर मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां एकलपीठ ने 17 अगस्त 2026 को आयोग व अपीलीय अधिकारी के फैसलों को निरस्त करते हुए 15 दिनों में नया आवेदन देने को कहा था। इस फैसले को युगलपीठ में चुनौती दी गई। युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान माना कि वर्ष 2012 से काफी वक्त गुजर चुका है, इसलिए न्यायहित में एकलपीठ के आदेश में संशोधन जरूरी है। कोर्ट ने लोक सूचना अधिकारी के समक्ष रिकॉर्ड के निरीक्षण की अनुमति प्रदान करते हुए व्यवस्था दी कि निरीक्षण के बाद आवेदक अपनी आवश्यकता अनुसार वांछित प्रतियों के लिए अलग से आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

सार्वजनिक जगहों पर अनिश्चितकालीन धरने पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

कोई हमेशा कब्जा नहीं कर सकता, विरोध का अधिकार है पर दूसरों का हक भी जरूरी

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में हाल ही में हुए प्रदर्शनों और उसके दुष्प्रभावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम और स्पष्ट टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने सुनवाई के दौरान दो टूक शब्दों में कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के नाम पर किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं जमा सकता। प्रदर्शन स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि समाज के दूसरे वर्गों, किसानों, मजदूरों और अन्य संगठनों को भी अपनी बात रखने का समान अवसर मिल सके। यह महत्वपूर्ण सुनवाई दिल्ली में अक्टूबर माह के दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर हो रही थी। इन याचिकाओं में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, सर्विलांस, तय प्रदर्शन स्थलों और स्थानीय कारोबारियों को हुए आर्थिक नुकसान जैसे कई अहम मुद्दे शामिल थे। इस बीच, पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान एक दिलचस्प मामला भी सामने आया, जिसमें गिरफ्तार महिलाओं के पास से सोने की चेन बरामद हुईं। पुलिस अब यह पूछताछ कर रही है कि इन महिलाओं ने ज्वेलर्स को नकली चेन असली बताकर किस तरह ठगी की वारदातों को अंजाम दिया था।



एक दिन की अनुमति लेकर 17 दिन तक बैठे रहे प्रदर्शनकारी

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को जानकारी दी कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की इजाजत दी गई थी, लेकिन नियम ताक पर रखकर प्रदर्शनकारी पूरे 17 दिनों तक वहां जमे रहे। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने बिना किसी अनुमति के देश की संप्रभुता के प्रतीक संसद भवन की ओर मार्च करने का प्रयास किया, जिसकी इजाजत कतई नहीं दी जा सकती।

हिरासत और निगरानी को लेकर वकीलों में तीखी बहस: दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया और पूछा कि क्या एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सामान्य है? इसके जवाब में तुषार मेहता ने स्पष्ट किया कि उन लोगों को हिरासत में नहीं बल्कि केवल प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था। वहीं, सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने प्रदर्शनकारियों पर की जा रही निगरानी और उसके कानूनी प्रावधानों पर सवाल खड़े किए, जिस पर एसजी ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत केवल सामान्य सीसीटीवी से निगरानी की जा रही थी, जबकि सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर खुद वहां की लाइव रिकॉर्डिंग कर रहे थे।

भोजशाला के इतिहास पर आधारित प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संगठनात्मक बदलावों पर मंथन

मृदुभाषी। इंदौर



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की चल रही बैठक में संगठन की संरचना और आगामी कार्ययोजना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। बैठक में प्रांत के स्थान पर संभाग स्तर पर नए पदों के सृजन को लेकर गहन मंथन किया गया, ताकि मार्च में होने वाले संगठनात्मक चुनाव से पहले स्वयंसेवकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकें। अब तक व्यवस्था में प्रांत कार्यवाह होते थे, लेकिन आगामी समय में संभाग स्तर पर और क्षेत्रीय के बजाय राज्य स्तर पर पदों का गठन किया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि संघ अपने पारंपरिक विषयों के साथ-साथ युवाओं से जुड़े मुद्दों पर विशेष फोकस करेगा। इसके तहत सबसे पहले युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अन्य सामाजिक संगठनों की भी सहभागिता ली जाएगी। साथ ही, संघ अपने सामाजिक दायरे को और अधिक विस्तृत करते हुए धार्मिक संस्थाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा तथा उनके आयोजनों में हिस्सेदारी बढ़ाएगा। शताब्दी वर्ष के तहत देशभर में आयोजित कार्यक्रमों की तर्ज पर आगे भी ऐसे सहयोगात्मक आयोजन जारी रहेंगे। इस बैठक के दौरान एक विशेष आकर्षण धार की ऐतिहासिक भोजशाला के अतीत से लेकर वर्तमान विवाद तक की कहानी को बयां करती एक प्रदर्शनी रही। 'भोजशाला के प्रत्यक्ष प्रमाण' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में 24 ऐतिहासिक पड़ावों और तस्वीरों के जरिए भोजशाला के इतिहास को दर्शाया गया है। इसमें राजा भोज के शासनकाल, भोजशाला की स्थापना, मध्यकालीन आक्रमणों, वाग्देवी की प्रतिमा के लंदन पहुंचने, ब्रिटिश काल के पुरातात्विक अध्ययनों और आजादी के बाद के आंदोलनों को क्रमवार प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, प्राकृत भाषा में लिखित पारिजात मंजरी और विजयश्री नाटिका से संबंधित शिलालेखों के दुर्लभ चित्र भी इस प्रदर्शनी में विशेष रूप से प्रदर्शित किए गए हैं।

'छोटी-छोटी गलतियां भी बन सकती हैं कर्मबंध का कारण'

मृदुभाषी। इंदौर



एयरपोर्ट रोड स्थित श्री केसरी वाटिका में आयोजित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास के अंतर्गत गच्छाधिपति जैनाचार्य पूज्य श्रीमद् विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी महाराज साहब की पावन निश्रा में धर्मसभा आयोजित हुई। इसमें वरिष्ठ मुनिराज डॉ. सिद्धरत्न विजयजी म.सा. ने अपने प्रवचन में जीवदया, कर्मसिद्धांत, प्रायश्चित्त, क्षमापना एवं वैर-भाव के त्याग का महत्व समझाया। मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य की छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े कर्मबंध का कारण बन सकती हैं। किसी जीव को जानबूझकर कष्ट देना, उसका उपहास करना अथवा मनोरंजन के लिए परेशान करना हिंसक भावों को जन्म देता है। दीपावली की सफाई के दौरान भी बिस्तर, गद्दे एवं अन्य वस्तुओं में रहने वाले सूक्ष्म जीवों की रक्षा का ध्यान रखना चाहिए। प्रत्येक कार्य में जीवदया और संवेदनशीलता आवश्यक है।

प्रतिक्रमण केवल क्रिया नहीं, सच्चे पश्चात्ताप का भाव है। मुनिश्री ने इरियावहियं सूत्र का महत्व बताते हुए कहा कि दिनभर में जाने-अनजाने किसी भी जीव को पहुंचे कष्ट के लिए हृदय से क्षमायाचना करनी चाहिए। मिच्छामि दुक्कडम केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि भविष्य में गलती नहीं दोहराने का संकल्प है। कामजीत एवं प्रीतिमती के पूर्वभव का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने बताया कि शुभ-अशुभ कर्मों का फल अवश्य मिलता है। दया और करुणा के भाव शुभ कर्मबंध के कारण बनते हैं, जबकि हिंसा, अन्याय और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना अशुभ कर्मों का बंध कराता है। मुनिश्री ने कहा कि अज्ञान, मोह, क्रोध, अहंकार और प्रतिशोध आत्मा के सबसे बड़े शत्रु हैं। किसी का धन, संपत्ति या प्रतिष्ठा छीनना भी गंभीर कर्मबंध का कारण बनता है। अतः प्रत्येक कार्य से पहले उसके परिणामों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने श्रावक-श्राविकाओं से जीव दया, क्षमा, संयम एवं करुणा को जीवन में अपनाकर आत्मकल्याण के मार्ग पर आगे बढ़ने का आह्वान किया। साधु-साध्वीजी म.सा. को उच्च स्तरीय अध्ययन कराने वाले मुंबई से आए पारसभाई गुरुजी का बहुमान इन्दौर श्रीसंघ द्वारा नीरज सुराणा ने किया।

गुरुराज स्पर्श चातुर्मास 6 से

प्रभु राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा की जन्म द्विशताब्दी को समर्पित द्विशताब्दी गुरुराज स्पर्श चातुर्मास 6, 7 एवं 8 नवंबर श्री उत्तराध्ययन सूत्र आधारित प्रवचन, प्रातः 9:15 बजे से होंगे, वहीं 8 एवं 9 नवंबर सामूहिक छठ तप आराधना, 10 नवंबर 2026 नूतन वर्ष एवं सामूहिक छठ तप पारणा के साथ ही निर्वाण मोदक एवं आरती प्रातः 5:30 बजे, गौतम रास एवं नववर्ष मांगलिकप्रातः 6:00 बजे,तपस्वीगण एवं सकल श्रीसंघ की नवकारशी की जाएगी।

राहुल गांधी ने निभाया अपना वादा बड़वानी की प्रियंका का कराया इलाज



इंदौर/बड़वानी। इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के मंच से किया गया अपना वादा पूरा करते हुए पूर्व सांसद राहुल गांधी ने बड़वानी निवासी छात्रा प्रियंका सेंगर की आंखों का दिल्ली में सफल इलाज कराया है। इलाज पूरा होने के बाद प्रियंका दिल्ली से फ्लाइट द्वारा इंदौर लौट आई हैं। पहले की तुलना में उनकी आंख की दृश्यता में काफी सुधार हुआ है।

19 सितंबर को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में जो विद्यार्थी मंच पर आए थे, उनमें प्रियंका सेंगर भी शामिल थीं। बातचीत के दौरान प्रियंका की एक आंख में समस्या देख राहुल गांधी ने उनसे वजह पूछी थी। प्रियंका ने बताया था कि जब वह तीन साल की थीं, तब आंख में चूना चला गया था, जिससे एक आंख खराब हो गई थी और दिखाई देना बंद हो गया था। एक ऑपरेशन तो हो चुका था, लेकिन पैसों के अभाव के कारण परिवार दूसरे ऑपरेशन का खर्च उठाने में असमर्थ था। इस पर राहुल गांधी ने मंच से ही प्रियंका को दिल्ली में इलाज कराने का भरोसा दिया था। वादे के मुताबिक पिछले महीने राहुल गांधी की टीम ने प्रियंका और उनके परिजनों से संपर्क कर अब तक के इलाज की पूरी जानकारी जुटाई और उन्हें दिल्ली बुलाया। दिल्ली के प्रमुख अस्पताल में प्रियंका की आंख की सर्जरी और उपचार पूरा हुआ। इससे पहले राहुल गांधी के आश्वासन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी प्रियंका के माता-पिता से फोन पर चर्चा कर प्रक्रिया को गति दी थी।

पुलिस ने शुरू की जांच

इंदौर महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

मृदुभाषी। इंदौर



शहर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। कार्यालय को इससे संबंधित एक ईमेल मिला है, पुलिस इसकी जांच कर रही है। शहर में आगामी 15 नवंबर को प्रस्तावित प्रसिद्ध पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट से पहले एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इंदौर के तीन प्रतिष्ठित निजी स्कूलों और महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए हैं। इस सूचना के बाद से प्रशासनिक महकमे और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग तुरंत हरकत में आया और प्रभावित स्थानों पर जांच अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि प्रारंभिक जांच में यह ईमेल फर्जी प्रतीत हो रहे हैं। पुलिस टीम द्वारा तीनों स्कूलों और संबंधित परिसरों की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है। पुलिस अधिकारी राजेश दंडोतिया ने बताया कि तीनों निजी शैक्षणिक संस्थानों को पंजाबी भाषा में ईमेल भेजकर धमकी दी गई थी। इस संदेश में विशेष रूप से कहा गया था कि वे अपने छात्रों को दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में न भेजें। ईमेल की भाषा और उसकी टाइमिंग को लेकर पुलिस विभिन्न कोणों से तकनीकी जांच कर रही है। स्कूलों के अलावा इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यालय को भी इसी प्रकार का धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। यह ईमेल भी गायक के आगामी शो से ही संबंधित है। पुलिस साइबर सेल की मदद से ईमेल भेजने वाले के आईपी एड्रेस और मूल स्त्रोत का पता लगाने में जुटी हुई है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह हरकत किसी की शरारत है या इसके पीछे गहरी साजिश है।

एमपीपीएससी: जारी हुई एडीपीओ परीक्षा की आंसर की

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी भर्ती 2026 परीक्षा की प्रोविजनल उत्तर कुंजी जारी कर दी है। आयोग ने राज्य में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर 1 नवंबर को इस परीक्षा का आयोजन करवाया था। परीक्षा संपन्न होने के बाद आयोग की ओर से उत्तर कुंजी पीडीएफ फॉर्मेट में ऑफिशियल वेबसाइट mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध करवा दी गई है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर जाकर या डायरेक्ट लिंक से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवार उत्तर कुंजी डाउनलोड करने के बाद इससे अपने प्रश्न उत्तरों का मिलान कर सकते हैं।

उत्तर कुंजी का मिलान करने के दौरान यदि अभ्यर्थी इसमें दिए किसी उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं, तो वे इस पर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। ऑनलाइन आपत्ति का लिंक एक्टिव होने के दिन से पांच दिनों में उम्मीदवार आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। अभ्यर्थियों द्वारा दर्ज की गई आपत्तियों के निराकरण के बाद ही फाइनल उत्तर कुंजी तैयार की जाएगी। इसी फाइनल आंसर की को ध्यान में रखकर परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाएगा। आयोग द्वारा परीक्षा का रिजल्ट इस महीने के अंत में या दिसंबर माह में जारी होने की उम्मीद है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निर्धारित कटऑफ अंक प्राप्त करके सफलता प्राप्त करेंगे, वे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के लिए क्वालीफाई होंगे। भर्ती का अगला चरण पर्सनल इंटरव्यू होगा। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग इस भर्ती के माध्यम से कुल 107 रिक्त पदों पर नियुक्तियां करेगा।

यूट्यूब पर देख अपनी जांघ पर लगाया इंजेक्शन, चली गई जान

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में अगस्त 2025 में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां इंटरनेट पर उपलब्ध भ्रामक जानकारी का गलत इस्तेमाल एक नेपाली युवक की जान जाने का कारण बन गया।

युवक ने यूट्यूब पर वीडियो देखने के बाद दर्द निवारक दवा का असामान्य और खतरनाक तरीके से इस्तेमाल किया। उसने टैबलेट को चम्मच में गर्म करके सिरिंज के जरिए अपनी जांघ की फेरोमल आर्टरी में इंजेक्शन लगाया। दवा की अत्यधिक मात्रा (ओवरडोज) के शरीर में जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस संवेदनशील मामले पर तैयार फॉरेंसिक और वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित शोधपत्र को अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह शोधपत्र एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग की डॉ. प्रज्ञा सिसोदिया द्वारा प्रस्तुत किया गया है। अगस्त 2025 में घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम युवक के किराए के कमरे पर पहुंची। गहन जांच के दौरान कमरे से दर्द निवारक दवाओं की 2 खाली स्ट्रिप, पाउडर के अवशेष लगा हुआ एक चम्मच, लाइटर और एक इस्तेमाल की गई सिरिंज बरामद की गई। इन भौतिक साक्ष्यों के आधार पर विशेषज्ञों ने आशंका जताई कि युवक ने दवा का असामान्य रूप से सेवन किया था। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, संबंधित दर्द निवारक दवा का उपयोग बेहद गंभीर स्थितियों में केवल योग्य डॉक्टर की सलाह और चिकित्सकीय निगरानी में ही किया जाता है। बिना किसी डॉक्टर की सलाह के इसका स्वयं इस्तेमाल करना जानलेवा साबित हो सकता है।

नकली चेन पर सोने की पॉलिश कर ज्वेलर्स को चूना

इंदौर। तुकोगंज थाना क्षेत्र स्थित नाना भाई ज्वेलर्स में ठगी की वारदात को अंजाम देने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नकली सोने की चेन पर सोने की पॉलिश कर उसे असली चेन की तरह दिखाया और ज्वेलर्स से करीब दो लाख रुपये कीमत की असली सोने की चेन लेकर फरार हो गईं।

टूरिज्म बोर्ड और सभ्यता फाउंडेशन का संयुक्त आयोजन

राम मंदिर में रामायण की कथाओं की प्रस्तुति से जीवंत हुई ओरछा की सांस्कृतिक विरासत

मृदुभाषी। ओरछा



मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक और पवित्र शहर ओरछा स्थित प्रसिद्ध राम राजा मंदिर परिसर में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक तीन दिवसीय भव्य रामलीला का आयोजन किया गया। सभ्यता फाउंडेशन द्वारा मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभर में ख्याति प्राप्त 'शुभ प्रवेश इवेंट्स' के 32 कलाकारों ने पारंपरिक नाट्य शैली में रामायण के प्रमुख प्रसंगों का जीवंत मंचन किया। तीन दिनों तक चली इस प्रस्तुति का आनंद मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों और देश-विदेश से आए पर्यटकों ने उठाया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेश केवट, ओरछा नगर परिषद अध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपूत, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश पतेरिया, जनभागीदारी अध्यक्ष संजय नकीब, भाजपा जिला महामंत्री विवेक तोमर, जिलाधिकारी जमुना भिड़े और एसडीएम अशोक जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभ्यता फाउंडेशन के सीईओ पराग साहनी ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया। तीन दिवसीय रामलीला के मंचन में रामायण की संपूर्ण गाथा को प्रमुख प्रसंगों के माध्यम से पिरोया गया। पहले दिन भगवान राम के जन्मोत्सव, बाल्यकाल की लीलाओं और भव्य सीता स्वयंवर का प्रदर्शन हुआ। दूसरे दिन श्रीराम के वनवास गमन और माता सीता के हरण तक के भावुक दृश्यों को दर्शाया गया। अंतिम दिन वीर हनुमान की लंका यात्रा, रावण के साथ धर्म युद्ध और रावण वध के साथ रामलीला का समापन हुआ। ओरछा में भगवान राम की पूजा राजा के रूप में की जाती है, ऐसे में राम राजा मंदिर के प्रांगण में रामायण के इस मंचन ने ओरछा की आध्यात्मिक परंपराओं और भारतीय नाट्य कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। आयोजन पर विचार व्यक्त करते हुए मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रवक्ता ने कहा कि ओरछा की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत इसे हेरिटेज टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बनाती है। ऐसे आयोजन पर्यटकों को शहर की जीवंत परंपराओं से सीधे जोड़ते हैं और टूरिज्म बोर्ड भविष्य में भी ओरछा को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने के लिए ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहन देता रहेगा। वहीं सभ्यता फाउंडेशन की एडवाइजरी बोर्ड की सह-अध्यक्ष अवंतिका डालमिया ने पहले आयोजन को मिले अपार जनसमर्थन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार की 'अडॉप्ट ए हेरिटेज 2.0' पहल के तहत स्मारक सारथी के रूप में काम कर रहा फाउंडेशन ओरछा की स्थापत्य और आध्यात्मिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए आगे भी ऐसे अनोखे सांस्कृतिक अनुभव और कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता **श्री विवेक किनकर पिता श्री शिवराम किनकर व शिवराम किनकर पिता श्री तुकाराम किनकर** पता प्रकोष्ठ क्र. 202 समीक्ष एनक्लवे 12 ए ओमेक्स सिटी इंदौर। पिन 1004340360, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री प्रदीप तन्ना पिता श्री नारायण दास** ने झोन क्र. 6 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर पिन नं. 10009333267 , पता- 73 बी.एम. पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर सुखलिया पर नामांतरण चाहा गया है। **(पुराना नाम- भवर नागेन्द्र पिता तेज सिंह)** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक 04.11.2025 से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्र. 6 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 6, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/क्रेता **श्री प्रदीप तन्ना पिता श्री नारायण दास** ने झोन क्र. 6 राजस्व विभाग पर आवेदन के साथ रजिस्ट्री वसीयतनामा, वारिस नाते, दान पत्र अनुसार प्रस्तुत कर पिन नं. 10009333268, पता- 74 बी.एम. पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर सुखलिया पर नामांतरण चाहा गया है। **(पुराना नाम- भवर नागेन्द्र पिता तेज सिंह)** इस जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक 04.11.2025 से 15 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति के नामांतरण पर आपत्ति हो तो जोन क्र. 6 के राजस्व विभाग में सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अवधि पश्चात वह बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 6, इ.न. पा. नि. इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है विक्रेता पुष्पा देवी गर्ग पति नन्दकिशोर गर्ग व अन्य, पता मल्हारगंज मैन रोड (लोहार पट्टी) इन्दौर, पिन 1000857319, झोन क्र. 20, क्रेता-रेहाना बी पति अब्दुल वहाब विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 20 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 20 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्री अनुज जैन पिता श्री अशोक जैन, 2. श्री आयुष जैन पिता श्री अशोक जैन** पिन 1004503569 पैकी भाग, झोन क्र. 08। पता 38, कल्याण लोक फेज (2) ग्राम बांगड़दा इन्दौर। इस जाहिर सूचना प्रकाशन 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

झोनल अधिकारी व सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 16 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्री गीत जैन पिता श्री अनिल जैन** पिन 2000319265 पैकी भाग, झोन क्र. 08। पता 316 एमआर-5 महालक्ष्मी नगर, इंदौर। इस जाहिर सूचना प्रकाशन 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 08 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद झोन क्रमांक 08 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/विक्रेता **1. विजय कुमार पिता खेमचंद वाधवानी, 2. हीना पति विजय कुमार वाधवानी** के द्वारा झोन क्रमांक 14 के वार्ड क्रमांक 84 राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर 639, पैकी भाग द्वारका पुरी कॉलोनी (रोड से अन्दर) इन्दौर के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामांतरण क्रेता **संगीता पति चेतन दहिया** के नाम पर चाहा गया है। पिन नं. 1009855767 इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, वित्त संस्था, बैंक, निकाय को आपत्ति हो तो झोन क्र. 14 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। **श्रीमती पूजा छलोत्रे पति श्री चंद्रशेखर छलोत्रे** पता 70, संस्कृति शुभ आंगन एक्सटेंशन, तलावली चांदा, इंदौर। पिन 9000193844, झोन क्र. 22 विक्रयपत्र अनुसार इस जाहिर सूचना प्रकाशन 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 22 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 22 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **फातेमा जावदवाला पति मोइज जावदवाला** पता- 89, जास्मीन प्राईम पार्क बिजलपुर, इंदौर, झोन क्र. 13 वार्ड क्र. 77। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भवन स्वामी द्वारा संपत्ति कर में नामांतरण आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक **हुजैफा जावदवाला पिता मो. हुसैन** पता- 18, जास्मीन प्राईम पार्क बिजलपुर, इंदौर, झोन क्र. 13 वार्ड क्र. 77। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/विक्रेता **सृष्टि कंस्ट्रक्शन** 06, अवासा ग्राउंड बिजलपुर इंदौर, पिन 1003272548, झोन क्र. 13 वार्ड क्र. 77। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक 04.11.2026 से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी वित्त संस्था, बैंक, निकाय व्यक्ति को आपत्ति हो तो झोन क्रमांक 13 के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी, झोन क्रमांक 13 नगर पालिका निगम इंदौर

गुजरात में प्रदेश के दो मजदूरों की जलकर मौत

पिकअप गाड़ी में सोते समय हुआ हादसा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। गुजरात के अमरेली जिले में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक हादसे में मध्य प्रदेश के दो मजदूरों की झुलसकर मौत हो गई। दोनों रात में पिकअप गाड़ी के भीतर सो रहे थे, तभी अचानक वाहन में भीषण आग लग गई। सुबह गाड़ी पूरी तरह जली हुई पाई गई और उसके अंदर दोनों के शव मिले।

मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के आलीराजपुर जिले की कठीवाड़ा तहसील निवासी 16 वर्षीय रवि पिता कमलेशभाई बघेल और 21 वर्षीय नितिन पिता रामसिंह पचाया के रूप में हुई है। दोनों अमरेली के लीलिया तहसील स्थित गुंदरन गांव में अश्विनभाई जीवाभाई काछड़िया के खेत पर पिछले चार महीनों से मजदूरी का काम कर रहे थे।

नींद खुली तो पिकअप धू-धू कर जल रही थी।

रवि के पिता कमलेशभाई ने बताया कि रात करीब 11 बजे तक सभी लोग जागे हुए थे, जिसके बाद दोनों सोने के लिए गाड़ी में चले गए। रात करीब 12:30 बजे अचानक एक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। जब नींद खुली तो पिकअप धू-धू कर जल रही



मृतक के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पैसों के लेन-देन और गाड़ी खड़ी करने को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते विनोद नाम के व्यक्ति ने गाड़ी में जानबूझकर आग लगाई और दोनों को जिंदा जला दिया।

पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया

घटना की सूचना मिलने पर लीलिया पुलिस और फॉरेंसिक साइंस प्रयोगशाला की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए। डीवाईएसपी विस्मय मानसता ने बताया कि मामले में परिजनों के आरोपों सहित सभी संभावित पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भौंरी पुलिस अकादमी में प्रशिक्षु डीएसपी की पासिंग आउट परेड में बोले सीएम डॉ. यादव

'रील छोड़े, रियल प्रॉब्लम सुलझाएं'पुलिस अधिकारी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। स्थित भौंरी पुलिस अकादमी में मंगलवार को आयोजित 48 प्रशिक्षु डीएसपी की पासिंग आउट परेड में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव-नियुक्त पुलिस अधिकारियों को जनता के प्रति जवाबदेह बनने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दौर का जिक्र करते हुए अधिकारियों से कहा कि वे रील बनाने से ज्यादा वास्तविक समस्याओं के समाधान (रियल प्रॉब्लम) पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस के सामने सोशल मीडिया से अधिक 'सोशल इश्यूज' महत्वपूर्ण हैं। अधिकारियों को केवल लोकप्रियता बटोरने के बजाय महिलाओं, बच्चों, गरीबों और कमजोर वर्गों की मदद के लिए देवदूत की तरह तत्पर रहना चाहिए।

डाकू उन्मूलन और नक्सलवाद पर नियंत्रण की सराहना

मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश पुलिस की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए डाकू उन्मूलन और नक्सलवाद पर नियंत्रण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब राज्य के सामने ड्रग्स, माफिया और जहरीली शराब का नेटवर्क सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक मध्य प्रदेश को पूरी तरह नशामुक्त बनाया जाए। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि पुलिस विभाग में पिछले पौने तीन साल में 17,710 पदों पर भर्ती की



जा चुकी है और आने वाले समय में 4,000 अन्य पदों पर भर्ती होगी। साथ ही पुलिस अकादमी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 12 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम, 33 केवी सब-स्टेशन और सड़क निर्माण की घोषणा की गई।

ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों पर हमला बर्दाश्त नहीं होगा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मियों पर किसी भी प्रकार का हमला या राजकीय कार्य में बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। देवास में कर्तव्य निभाते हुए जान गंवाने वाले टीआई दिलीप पुरी को शहीद का दर्जा देने और उनके परिवार को नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति व वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा भोपाल में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी की हत्या के मामले में आरोपी के खिलाफ की गई त्वरित एनकाउंटर कार्रवाई का भी जिक्र किया गया।

पहली बार रेडियो संवर्ग के डीएसपी अधिकारियों को भी प्रशिक्षण

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने बताया कि प्रशिक्षण पूरा करने वाले 48 अधिकारियों में 20 महिला अधिकारी शामिल हैं। पहली बार रेडियो संवर्ग के डीएसपी अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें 22 अधिकारी इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के हैं। यह तकनीकी क्षमता साइबर अपराध से निपटने में मील का पत्थर साबित होगी। डीजीपी ने कहा कि 'सेफ क्लिक' अभियान के जरिए साइबर जागरूकता बढ़ाई जा रही है और 2029 तक प्रदेश को नशामुक्त बनाने के संकल्प को पूरा करने में ये नए अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शर्मनाकः एक ही परिसर में शराब के साथ शिक्षा

हाईकोर्ट सख्त, कलेक्टर और आबकारी विभाग को नोटिस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

जबलपुर। शहर के संजीवनी नगर में एक ही परिसर में संस्कार निकेतन पब्लिक स्कूल और शराब दुकान का संचालन होने का गंभीर मामला सामने आया है। स्कूल के 20 साल पुराने परिसर के एक हिस्से में शराब दुकान चलने से छात्रों, विशेषकर छात्राओं को रोज अश्लील टिप्पणियों, गाली-गलौज और गंदगी का सामना करना पड़ता है। आबकारी, पुलिस व शिक्षा विभाग सहित कलेक्टर से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई न होने पर स्थानीय निवासी अजय पटेल ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की।

याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, कलेक्टर और आबकारी विभाग सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने जबलपुर कलेक्टर को 23 मार्च 2026 के आवेदन पर अगली सुनवाई से पहले अंतिम निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को तय की गई है।

अभिभावकों और छात्राओं में सुरक्षा को लेकर चिंता

संजीवनी कैंपस में सुबह 8 बजे स्कूल लगता है और दोपहर में छुट्टी के समय शराब दुकान पर पियक्कड़ों का जमावड़ा लग जाता



अभिभावकों और छात्राओं ने अपनी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। छात्राओं का आरोप है कि असामाजिक तत्व उन पर गंदे कमेंट करते हैं और शराब की खाली बोतलें स्कूल परिसर की ओर फेंकते हैं।

आबकारी नियमों का है खुला उल्लंघन

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने तर्क दिया कि स्कूल और शराब दुकान का एक ही परिसर में होना आबकारी नियमों का खुला उल्लंघन है। वहीं दुकान संचालक रब्बू यादव ने आसपास स्कूल होने की जानकारी से इनकार किया है, जबकि स्कूल प्रबंधन का कहना है कि व्यवस्था नियमानुसार चल रही है। जबलपुर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि यदि जांच में दूरी संबंधी नियमों का उल्लंघन या एक ही परिसर में संचालन पाया जाता है, तो दुकान को तुरंत दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा।

व्हाट्सएप ग्रुप में भेजे अश्लील वीडियो

खोल शिक्षक की करतूत, मोबाइल हैक' होने का दिया तर्क

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

सीधी। जिले में कन्या महाविद्यालय से जुड़ा एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। महाविद्यालय के स्पोर्ट्स टीचर उमेश पाठक ने कॉलेज के यूजी बैच-2025' आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में 6 अश्लील वीडियो भेज दिए। वीडियो के साथ मैसेज लिखा था कि इस वीडियो को खोलकर देखें, भ्रष्ट नेता पकड़े गए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कॉलेज की छात्राओं में भारी आक्रोश फैल गया।

घटना 31 अक्टूबर को दोपहर करीब 1 बजे की है। घबराई और परेशान छात्राओं ने तुरंत प्रोफेसर डॉ. देवेंद्र सोनी से शिकायत की, लेकिन करीब 4 घंटे तक वीडियो ग्रुप से डिलीट नहीं किए गए। ग्रुप में बवाल मचने के बाद छात्राएं प्राचार्य ओपी नामदेव के पास पहुँचीं। प्राचार्य ने जब शिक्षक को फोन किया तो उनका मोबाइल बंद आ रहा था। अंततः प्राचार्य के निर्देश पर ग्रुप एडमिन ने शाम को वीडियो डिलीट किए।

छात्राओं ने लगाया प्रबंधन पर बचाने का आरोप

मामला शांत होने के बाद आरोपी शिक्षक शाम करीब 6 बजे कोतवाली थाने पहुँचे और मोबाइल हैक होने का आवेदन दिया। उनका दावा है कि उनका फोन हैक कर किसी ने यह हरकत की है। हालांकि, छात्राओं और परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्राचार्य और कॉलेज प्रबंधन आरोपी शिक्षक को बचाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि प्राचार्य खुद भी उसी व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल थे।

पुलिस कर रही है मामले की जांच

कोतवाली थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस को कॉलेज प्रबंधन या छात्राओं की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, केवल शिक्षक की तरफ से आवेदन दिया गया है। फिर भी मामले की जांच की जा रही है। इसको लेकर छात्राओं के बयान दर्ज किए जा रहे है ।साइबर सेल के अधिकारियों का कहना है कि व्हाट्सएप हैकिंग के मामलों में आमतौर पर सभी संपर्कों को मैसेज जाते हैं और फिर पैसों की मांग की जाती है, इसलिए तकनीकी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भाजपा आज निकालेगी लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा

भोपाल। लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ के नारे के साथ भाजपा बुधवार को भोपाल में बड़ी पदयात्रा निकालने जा रही है। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल शामिल होंगे।

पार्टी ने इस आयोजन के जरिए राजधानी में बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने की तैयारी की है। पदयात्रा में करीब एक लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। पदयात्रा सुबह 10 बजे टीटी नगर स्थित अटल पथ, प्लेटिनम प्लाजा से शुरू होगी और रोशनपुरा तक पहुंचेगी। इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारी संगठनों और खेल संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है।

पेनाल्टी से बचने 40.91 लाख का फर्जी बिल

सिंगरौली म्यार नदी पुल घोटाला, ईओडब्लू ने ठेकेदार और दो अधिकारियों पर दर्ज की एफआईआर

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

सिंगरौली । जिले में म्यार नदी पर पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण में भारी वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला उजागर हुआ है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडबल्यू) रीवा ने गहन जांच के उपरांत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सेतु निर्माण के दो तत्कालीन अधिकारियों और रीवा के एक ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। इस मामले में शासन को भारी वित्तीय क्षति पहुँचाने के गंभीर आरोप हैं।

जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने 1 नवंबर 2018 की बैकडेट में 40 लाख 91 हजार 300 रुपए का एक कूटरचित (फर्जी) बिल तैयार किया था। एडह की शुरूआती जांच के अनुसार इस पूरी फर्जी प्रक्रिया का एकमात्र और मुख्य उद्देश्य ठेकेदार पर लगने वाली भारी-भरकम पेनाल्टी की राशि को शून्य करना था। इसके जरिए शासन को सीधे तौर पर वित्तीय क्षति पहुँचाई गई और मिलीभगत कर अवैध लाभ प्राप्त किया गया।

चार महीने की देरी से पूरा किया कार्य

यह पूरा मामला चाचर से कुल्हनिया मार्ग पर म्यार नदी पर पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण से जुड़ा हुआ है। 574.32 लाख रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का ठेका 5 फरवरी 2016 को रीवा की फर्म 'मेसर्स विजय कुमार मिश्रा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड' को दिया गया था, जिसे 18 महीने में पूरा किया जाना था। हालांकि, ठेकेदार द्वारा लगभग चार महीने की देरी से 1 अगस्त 2018 को कार्य पूर्ण किया गया।

16 लाख 78 हजार से अधिक की पेनल्टी

नियमानुसार कार्य में देरी, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट (टेस्ट रिपोर्ट) न प्रस्तुत करने और अन्य कमियों के चलते ऑडिटर ने ठेकेदार पर 16 लाख 78 हजार से अधिक की पेनल्टी तय की थी। इस वित्तीय दंड से बचने और शासन को चूना लगाने के लिए तत्कालीन एसडीओ सुशील कुमार मिश्रा और सेतु निर्माण उप संभाग सीधी के तत्कालीन उपयंत्री चंद्रशेखर तिवारी ने ठेकेदार के साथ मिलकर सुनियोजित साजिश रची।

माप पुस्तिका को कार्यालय से किया गायब

आरोप है कि महज 7.37 लाख रुपए के वास्तविक अंतिम देयक (बिल) को फर्जी तरीके से एडिट कर 40.91 लाख रुपए का बना दिया गया और इसका भुगतान भी करवा लिया गया। इस घपले को छिपाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज—माप पुस्तिका क्रमांक 605 को कार्यालय से ही गायब कर दिया गया, जबकि अन्य माप पुस्तिकाओं में बड़े पैमाने पर काट-छांट और ओवरराइटिंग की गई।

सर्पदंश से बच्ची की मौत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शिवपुरी । जिले के रन्नौद इलाके के बामौरकलां गांव में सांप के डसने से 8 साल की बच्ची की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बामौरकलां की रहने वाली 8 साल की सृष्टि सोमवार रात अपने भाई, दो बहनों और मां-बाप के साथ सो रही थी। तभी एक जहरीला सांप वहां आ गया और बीच में सो रही सृष्टि की नाक पर काट लिया। सांप के काटते ही सृष्टि ने उसे हाथ से दूर फेंका और तुरंत घरवालों को जगाकर पूरी बात बताई।

इलाज के दौरान तोड़ा दम

घरवाले बिना देर किए बच्ची को रात में ही जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घरवाले उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी रात 3 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

रिटायर्ड आईएएस की हत्या का आरोपी शार्ट एनकाउंटर के बाद आगरा से गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

भोपाल। शहर के रातीबड़ स्थित सूरज नगर में रिटायर्ड कब्र अधिकारी राकेश अग्रवाल की गला रेतकर हत्या करने वाले मुख्य आरोपी केयर टेकर वरुण कुमार को पुलिस ने मंगलवार तड़के आगरा से गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे आगरा के मथुरा रोड पर एक शॉर्ट एनकाउंटर के बाद उसे पकड़ा गया, जिसमें उसके पैर में गोली लगी है। घायल आरोपी को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी को दबोचने के लिए भोपाल



पुलिस ने आगरा में चार दिन तक सब्जी और रिक्शावाला बनकर अंडरकवर ऑपरेशन चलाया था। आरोपी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था और मामला तूल पकड़ने पर पुलिस कमिश्नर ने रक्ब गठित की थी। कब्र एसोसिएशन ने भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर जल्द कार्रवाई की मांग की थी।

पूछताछ में आरोपी वरुण ने खुलासा किया कि राकेश अग्रवाल अकसर उस पर चिल्लाते और डांटते थे। इसी नाराजगी और गुस्से में आकर उसने 30 सितंबर की रात वारदात को अंजाम दिया। साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से उसने किचन में छद्धऋ सिलेंडर का पाइप खुला छोड़ दिया था। हत्या के बाद वह सवा घंटे में भोपाल स्टेशन पहुँचा और सुबह 4:12 बजे केरल एक्सप्रेस से फरार हो गया।

मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया, ठिकाने बदलता रहा

फरारी के दौरान आरोपी ने अपना मोबाइल इस्तेमाल नहीं किया। वह ग्वालियर, मथुरा, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल और मनाली जैसे शहरों में ठिकाने बदलकर रहा। इस दौरान वह कबाड़ और प्लास्टिक बोतलें बेचकर गुजारा करता था तथा रात फुटपाथ पर बिताता था। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है कि फरारी के दौरान उसे किसी अन्य व्यक्ति का सहयोग तो नहीं मिला था।

संवेदना उपमुख्यमंत्री ने बंधाया टीआई पुरी के परिवार को ढांढस

सरकार परिवार के साथ, दोषियों को नहीं बख्शेंगे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। सरदारपुर तहसील के ग्राम बरमंडल में दिवंगत टीआई दिलीप पुरी के परिजनों से मिलने मंगलवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और इस दुखद घटना पर शोक जताते हुए परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

परिवार से मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने स्पष्ट किया कि इस दुख की घड़ी में पूरी सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि घटना को गंभीरता से लिया गया है और इसके पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है तथा जांच के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई



की जाएगी।

गैरकानूनी धंधे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होंगे

उपमुख्यमंत्री ने अवैध शराब के कारोबार और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में इस तरह के गैरकानूनी धंधे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अपराध में संलिप्त व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। सभी दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एसआईटी कर रही निष्पक्ष जांच

देवड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। जांच एजेंसी घटना से जुड़े सभी पहलुओं और आरोपियों के नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होगी और दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

एक करोड़ की सहायता और पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री की ओर से दिवंगत टीआई के परिवार के लिए घोषित सहायता और अन्य निर्णयों को भी दोहराया। उन्होंने बताया कि परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही दिवंगत टीआई की पत्नी को उपनिरीक्षक पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाएगी तथा उन्हें शहीद का दर्जा देने की घोषणा भी की गई है। परिवार के बच्चों की शिक्षा का समुचित प्रबंध कराने का आश्वासन भी दिया गया। सरकार ने परिवार को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।

ब्रेन डेड नरेंद्र के परिजनों ने पेश की मिसाल

अंगदान से 5 लोगों को मिलेगा नया जीवन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

जबलपुर। शहर में दुख और संवेदना के बीच मानवता की एक बेहद प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली। नव निवेश कॉलोनी गंगानगर निवासी 40 वर्षीय नरेंद्र रजक के ब्रेन डेड होने के बाद, उनकी पत्नी पूजा रजक और परिजनों ने हिम्मत दिखाते हुए उनके अंगदान का महान निर्णय लिया। परिजनों के इस संवेदनशील फैसले से 5 गंभीर मरीजों को नई जिंदगी और उम्मीद मिली है।

नरेंद्र रजक एचसीएल कंपनी में कार्यरत थे। 31 दिसंबर को एक दुखद सड़क हादसे के दौरान सिर पर गंभीर चोट लगने से उन्हें मेट्रो प्राइम अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। हादसे के वक्त उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। इस



कठिन समय में पत्नी पूजा रजक ने कहा, रहमने अपना प्रियजन खो दिया, लेकिन ऐसे हालात में अंगदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता।

रात में ही विशेष दो ग्रीन कॉरिडोर तैयार

अंगों को समय पर जरूरतमंद मरीजों तक पहुँचाने के लिए जबलपुर प्रशासन ने रात में ही विशेष दो ग्रीन कॉरिडोर तैयार किए। पहला कॉरिडोर मेट्रो अस्पताल से डुमना एयरपोर्ट तक और दूसरा मेडिकल कॉलेज तक बनाया गया। रात में बंद रहने वाले जबलपुर एयरपोर्ट को विशेष अनुमति लेकर चालू कराया गया। अहमदाबाद के मरेन्गो सिम्स अस्पताल से आई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम चार्टर्ड विमान से लिवर लेकर रवाना हुई। नरेंद्र रजक की एक किडनी मेट्रो अस्पताल के मरीज को लगाई गई, जबकि दूसरी किडनी मेडिकल कॉलेज जबलपुर भेजी गई। लिवर को अहमदाबाद भेजा गया तथा उनकी आंखें और स्किन भी सुरक्षित दान की गईं। हालांकि जांच के दौरान हार्ट ट्रांसप्लांट के अनुकूल नहीं पाया गया। सुबह 4 बजे अस्पताल परिसर में मोमबत्तियां जलाकर परिजनों और चिकित्सकों ने नरेंद्र रजक को भावुक श्रद्धांजलि दी। परिजनों का यह त्याग कई परिवारों के जीवन में नया सवेरा ले आया है।

सम्पादकीय

तीर्थयात्रियों की सुरक्षा मुनाफे की ताक पर

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती।

अराजकता का पथः जब भीड़ ही नियम बन जाए



राजकुमार जैन



सड़क पर उतरते ही जिस विवेकहीन और उच्छृंखल अराजकता से प्रतिदिन हमारा साक्षात्कार होता है, वह अंततः हमारे भीतर के संस्कार-शून्य समाज का ही नग्न प्रकटीकरण है! यह सभ्यता का मार्ग नहीं। यह कोई संयत संसार नहीं। हमारी सड़कें भोथरी चेतनाओं और हिंसक प्रवृत्तियों का अखाड़ा बन चुकी हैं, जहाँ नियम-क़ानून नहीं, बल्कि भीड़ की मनमानी ही सर्वोपरि व्यवस्था मान ली गई है।

यहाँ विभिन्न वाहनों पर सवार मनुज किसी भी प्रकार के नागरिक-बोध, आत्म-नियंत्रण और परोपकार-भाव को तिलांजलि देकर केवल अपनी गति और अहंकार के हितसाधन में रत दिखाई पड़ते हैं। लाल बत्ती की अवहेलना करना, उल्टी दिशा में वाहन घुसा देना, और राहगीरों के प्राणों को संकट में डालकर दो क्षण आगे निकल जाना ही मानों इनका इकलौता पुरुषार्थ बन गया है।

जब हर दूसरा व्यक्ति मर्यादा तोड़ रहा हो, तो समाज उसे ही अपनी स्वाभाविक व्यवस्था मान लेता है। दूसरों के अधिकारों को रौंदना और गतिसीमा को धत्ता बताना ही इनका दैनिक आचरण है। इनकी नागरिक आत्माओं ने इन्हें लज्जित करना और कचोटना बंद कर दिया है। यह अनुशासनहीनता, अधीरता और अनियंत्रित कोलाहल का घटाटोप किसी सभ्य समाज का प्रतिबिंब नहीं हो सकता!

जब-जब मैंने सड़कों पर लोगों को 'सब ऐसा ही करते हैं' कहकर नियमों का उल्लंघन करते देखा, मन भारी ग्लानि से भर गया। सड़क का यह विकृत व्यवहार उसी अंधी और उन्मादी भीड़ की भाषा बोलता है, व्यवस्था और मर्यादा की नहीं। चौराहे पर खड़े होकर जब हम देखते हैं कि एक व्यक्ति ने नियम तोड़ा और उसके पीछे पूरी कतार चल पड़ी, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमने विवेक का त्याग कर अराजकता को ही अपना मार्गदर्शक चुन लिया है।

सच यह है कि भीड़ का यह उतावलापन समाज को केवल दुर्घटना, पीड़ा और मृत्यु के सिवा कुछ नहीं दे सकता। यदि अस्सी फ़ीसदी लोग उल्टी दिशा में गाड़ी चलाते हों या लाल बत्ती कूदते हों, तो क्या बहुमत के उस अपराध से वह अनुचित कृत्य सही हो जाएगा? मानो अधिक संख्या में लोग मर्यादा तोड़ें, तो संख्याबल के दबाव से ही वह बर्बरता न्यायसंगत नियम बन जाती हो!

यातायात के नियम मात्र दण्ड के भय या चालान की रसीद तक सीमित कोई बाहरी बाध्यता नहीं हैं; वे मूलतः मनुष्य के नैतिक संस्कार, आत्म-संयम और सह-अस्तित्व की मौन स्वीकृति हैं। जब आप बिना किसी सिपाही या कैमरे की निगरानी के भी चौराहे पर लाल बत्ती देखकर रुकते हैं, तब आप भीड़ के उस सामूहिक पागलपन को नकारते हैं और अपनी अंतरात्मा के सम्मुख खरे उतरते हैं। वही क्षण आपके मनुष्य होने और इस अराजक पथ से विमुख होकर सभ्य कहलाने का सच्चा प्रमाण होता है।

मेरी दृष्टि पूर्णतः स्पष्ट है। यह हॉर्न का कर्कश शोर, दूसरों को कुचलकर आगे निकल जाने की पाशविक होड़, और 'सब कर रहे हैं तो मैं क्यों नहीं' की आड़ में सामूहिक अपराध का हिस्सा बनने वाली असंवेदनशीलता मुझे कभी स्वीकार्य नहीं हो सकती। जहाँ भीड़ ही नियम तय करने लगे, मैं उस व्यवस्था और उस विकृत मानसिकता से स्वयं को पूरी तरह विलग करता हूँ।

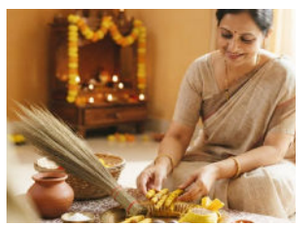
जो लोग सड़क पर मर्यादा के पालन को कायरता और भीड़ की गुंडागर्दी को अपना अधिकार समझते हैं, वे इस आत्म-मंथन से दूर ही रहें। सड़क पर संयम कोई औपचारिकता नहीं, एक बुनियादी मानवीय संस्कार है—और जो इस मर्म को नकारकर अराजकता के पथ पर ही दौड़ना चाहते हैं, वे अपनी आत्मघाती स्वेच्छाचारिता के गर्त में गिरने के लिए स्वतंत्र हैं!

लेखक यातायात प्रबंधन कार्यकर्ता हैं।

धर्म-ज्योतिष

धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदने का बजट नहीं है, तो घर पर लाएं ये शुभ वस्तुएं

दिवाली का त्योहार आते ही लोग बाजारों में खरीदारी का सिलसिला तेज हो जाता है। पांच दिवसीय दीपोत्सव के पहले दिन धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन लोग आर्थिक क्षमता के अनुसार सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और बर्तन खरीदते हैं। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, धनतेरस पर सोना-चांदी खरीदना शुभ होता है, लेकिन अगर आप इस बार सोना-चांदी नहीं खरीद सकते हैं, तो इन वस्तुओं को जरुर खरीदें। यदि आपका बजट सीमित है, तो आप घर पर ये चीजें लेकर आ सकते हैं, जो काफी मंलगकारी है। इस बार धनतेरस का पर्व 6 नवंबर को मनाया जाएगा। इस दिन झाड़ू खरीदना बेहद ही शुभ होता है। धनतेरस पर गोमती चक्र खरीदना बेहद शुभ होता है। माना जाता है कि गोमती चक्र का संबंध माता लक्ष्मी से जोड़ा जाता है। इसे घर में रखने से सुख-समृद्धि आर्थिक खुशहाली आने की मान्यता है। धनतेरस की खरीदारी में आप पांच हल्दी की गांठ और साबुत धनिया को भी शामिल किया जा सकता है।



समसामयिक

समावेशी शिक्षा में ही युवाओं के आक्रोश का समाधान

फ्रांस से लेकर भारत तक—मैं युवा छात्रों की बेचैनी देख रहा हूं। मैं उनके असंतोष की धड़कनों को महसूस कर सकता हूं। मैं यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि वे उस 'व्यवस्था' से इतने नाराज क्यों हैं, जिसे लेकर उन्हें अंदरूनी आशंका है कि उसने अच्छी शिक्षा पाने और जीवन की आकांक्षाएं पूरी करने के उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया है। एक तरह से, वे खुद को विरोधाभासों से भरी दुनिया में पाते हैं: जहां कुछ चुनिंदा तकनीकी-कॉर्पोरेट अरबपतियों की शानदार जीवनशैली है, वहीं दूसरी ओर भयावह आर्थिक असमानता का दर्द भी है; जहां एक तरफ लोकतंत्र का केवल दिखावटी अनुष्ठान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में तानाशाही प्रवृत्तियों वाले शासकों का उदय हो रहा है; और सबसे बड़ी बात, तकनीक-विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान का जो विस्तार हो रहा है, वह अधिकांशतः जीवन पर खतरा बनने वाले जलवायु संकट को और गहरा रहा है, और साथ ही बड़े पैमाने पर विनाश करने वाली तकनीकों को जोर-शोर से उपलब्धि बताया जा रहा है। एक शिक्षक के रूप में, यह लेखक इन विरोधाभासों पर विचार करता है और खुद से सवाल करता है कि क्या एक बेहतर समाज की नींव रखने के लिए हमें इन छात्रों के साथ चलकर यह पड़ताल नहीं करनी चाहिए कि क्या ज्ञान की मौजूदा राजनीति ने विज्ञान और मानविकी, तकनीक और नैतिकता, तथा आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के बीच एक सख्त दीवार खड़ी कर दी है, और इस किस्म के संकट को और बढ़ा दिया है? हमारे छात्र नाराज हैं। लेकिन उनके विरोध की वजह केवल सहज प्रतिक्रिया या आवेश तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसके पीछे एक स्पष्ट विश्व-दृष्टिकोण होना चाहिए; और उनकी राजनीति शिक्षापरक होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अपनी सामूहिक मुक्ति के लिए उन्हें एक नई किस्म की शिक्षा की आवश्यकता है।\ उदाहरण के लिए, हमारी शिक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात से सहमत होगा कि भारतीय छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए, विज्ञान का महत्व मुख्य रूप से तकनीक एवं उपकरणों और उनके उपयोगी कार्यों संबंधी शिक्षा पाने तक है। आम धारणा यह है कि अगर आप विज्ञान स्ट्रीम चुनते हैं, तो आप इंजीनियर या डॉक्टर बन सकते हैं। या फिर, यह माना जाता है कि हर नया आविष्कार विज्ञान की महिमा को दर्शाता है। हालांकि, विज्ञान के प्रति पूरी तरह से ऐसे तकनीक एवं उपकरण आधारित दृष्टिकोण के कारण, हम—शिक्षक, अभिभावक और छात्र—अक्सर यह भूल जाते हैं कि विज्ञान सोचने, कार्य करने और जीने का एक तरीका भी है।



व्यापार

कॉलिंग और नेटवर्क व्यवस्था में होने जा रहा बड़ा बदलाव

ट्राई के नए इंटरकनेक्शन नियमों से सुधरेगी कॉल क्वालिटी, 1 जनवरी 2027 से होंगे लागू

मृदुभाषी। नई दिल्ली

देश में मोबाइल नेटवर्क और दूरसंचार कंपनियों के बीच कॉल कनेक्शन की पूरी व्यवस्था बदलने जा रही है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए दूरसंचार इंटरकनेक्शन नियम जारी कर दिए हैं, जो आगामी 1 जनवरी, 2027 से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। इन नए नियमों का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग टेलीकॉम नेटवर्क्स के बीच आपसी संपर्क को और अधिक सहज, पारदर्शी और उन्नत बनाना है। इसके तहत कंपनियों को पारंपरिक तकनीक छोड़कर आधुनिक व्यवस्था पर शिफ्ट होना होगा, जिससे ग्राहकों को बेहतर कॉल क्वालिटी, मजबूत नेटवर्क क्षमता और अधिक भरोसेमंद सेवाएं मिल सकेंगी।

इंटरकनेक्शन वह तकनीकी, परिचालन और व्यावसायिक व्यवस्था है जिसके जरिए दो या दो से अधिक अलग-अलग टेलीकॉम नेटवर्क आपस में जुड़ते हैं, और अलग-अलग कंपनियों के ग्राहक आसानी से एक-दूसरे को कॉल कर पाते हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया लॉन्ग डिस्टेंस और शॉर्ट डिस्टेंस चार्जिंग एरिया (एलडीसीए व एसडीसीए) स्तर पर होती है। ट्राई अब इस पूरी व्यवस्था को एलएसए स्तर पर ले जा रहा है। इसके लिए मौजूदा पीओआई पर दर्ज ट्रैफिक को तीन साल के भीतर चरणबद्ध रूप से नए स्थानों पर स्थानांतरित किया जाएगा, जिससे कॉल्स को सही डेस्टिनेशन तक पहुंचाने की प्रक्रिया और अधिक सरल होगी तथा नंबरिंग संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो सकेगा। नई व्यवस्था के तहत स्थापित होने वाले सभी नए इंटरकनेक्शन और पुराने ई1/टीडीएम आधारित पीओआई तीन साल में आईपी तकनीक पर आ जाएंगे। आईपी आधारित नेटवर्क से बैंडविड्थ का बेहतरीन इस्तेमाल संभव हो सकेगा। इससे कॉल की वॉयस क्लैरिटी सुधरेगी, कॉल ड्रॉप की समस्याएं घटेंगी और कॉलिंग का अनुभव बेहतर होगा। पीओआई की क्षमता का आकलन अब एक साथ चलने वाले सेशन और बैंडविड्थ के आधार पर किया जाएगा, जिससे गुणवत्ता के तय मानकों का पालन सुनिश्चित हो सके। ट्राई ने पहली बार पीओआई को स्वेच्छा से सरेंडर करने के लिए स्पष्ट नियम बनाए हैं। पहले केवल डिस्कनेक्ट करने का प्रावधान था, जो आमतौर पर विवादों के समय इस्तेमाल होता था। अब कंपनियां कम ट्रैफिक या रूट बदलने की स्थिति में खुद पीओआई सरेंडर कर सकेंगी, जिससे उनका अनावश्यक खर्च बचेगा।



नए नियमों में किए गए प्रमुख बदलाव

नया नाम और स्वरूपः इन नए नियमों को 'दूरसंचार इंटरकनेक्शन (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026' नाम दिया गया है।

आईपी आधारित तकनीकः अब सभी नए इंटरकनेक्शन पूरी तरह इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) आधारित होंगे।

पुराने सिस्टम की विदाईः पुराने ई1/टीडीएम आधारित इंटरकनेक्शन को आगामी तीन वर्षों के भीतर चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह बदल दिया जाएगा।

एलएसए स्तर पर ट्रैफिकः छोटे स्तर के अलग-अलग इंटरकनेक्शन की जगह अब सीधे लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र स्तर पर ट्रैफिक का आदान-प्रदान किया जाएगा।

नए प्रावधानः इसके अलावा पीओआई (पॉइंट ऑफ इंटरकनेक्शन) सरेंडर करने, बैंक गारंटी के नियमों और भुगतान में देरी पर ब्याज को लेकर भी स्पष्ट प्रावधान तय किए गए हैं।

सोना 700 तो चांदी 2,000 रुपये टूटी

वैश्विक बिकवाली और कच्चे तेल में सुधार से सर्राफा बाजार में गिरावट

मृदुभाषी। नई दिल्ली

वैश्विक बाजार में बिकवाली के दबाव और कच्चे तेल के दामों में सुधार के बीच मंगलवार को देश की राजधानी में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 700 रुपये लुढ़ककर 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि पिछले सत्र में यह 1,42,500 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, पिछले सत्र में स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमतों में भी जोरदार गिरावट आई और यह 2,000 रुपये घटकर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी और एलकेपी सिक्योरिटीज के रिसर्च एनालिस्ट जतिन त्रिवेदी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोरी और कारोबारियों द्वारा की जा रही लगातार मुनाफावसूली से घरेलू बाजार पर दबाव बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पॉट गोल्ड 1.04 फीसदी गिरकर 3,905.44 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3 फीसदी से अधिक टूटकर 48.97 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि आगामी धनतेरस और दीपावली के त्योहारी सीजन में आभूषणों की मांग बढ़ने से घरेलू कीमतों को सहारा मिल सकता है, वहीं आगे का रुख अमेरिकी चुनाव नतीजों और फेडरल रिजर्व के नीतिगत संकेतों पर निर्भर करेगा।



झांग यिमिंग को पछाड़ फिर एशिया के सबसे अमीर बने मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने टिकटॉक की मूल कंपनी बाइटडांस के सह-संस्थापक झांग यिमिंग को पीछे छोड़ते हुए यह शीर्ष स्थान हासिल किया है। फोर्ब्स की रियल-टाइम अरबपतियों की सूची के अनुसार, मंगलवार को मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति बढ़कर 88.7 अरब डॉलर हो गई है। इस शानदार बढ़ोतरी के साथ वह दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मुकेश अंबानी की संपत्ति में इस जोरदार उछाल की मुख्य वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आई जबरदस्त तेजी रही है। हाल ही में कंपनी के शेयर करीब 12 फीसदी तक उछल गए थे, जो पिछले छह साल से अधिक समय में रिलायंस के शेयरों की सबसे बड़ी एकदिनी तेजी है। इस तेजी के बल पर एशिया के शीर्ष रईसों की सूची में मुकेश अंबानी पहले स्थान पर काबिज हो गए हैं, जबकि बाइटडांस के झांग यिमिंग 84 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे (वैश्विक स्तर पर 25वें) और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी 79.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ एशिया में तीसरे (वैश्विक स्तर पर 26वें) स्थान पर हैं। शेयर बाजार में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई पर 11.64 फीसदी की बढ़त के साथ 1,299 रुपये और एनएसई पर 1,300 रुपये पर बंद हुआ था। इसके बाद अगले कारोबारी सत्र में भी रिलायंस का शेयर एनएसई पर 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ 1,307.90 रुपये पर बंद हुआ। शेयरों में आई इस उछाल से रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 17,69,920.74 करोड़ रुपये हो गया है।



अनिल अंबानी ग्रुप पर ईडी का शिकंजाः 510 करोड़ की संपत्तियां कुर्क, दो चार्टर्ड प्लेन और पवन चक्कियां जब्त

मृदुभाषी। नई दिल्ली

बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप पर एक बार फिर बड़ा कानूनी शिकंजा कसा है। जांच एजेंसी ने समूह से जुड़ी कंपनियों के बैंक फ्रॉड मामलों में कार्रवाई करते हुए 510.17 करोड़ मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इस नई कार्रवाई के बाद रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की अब तक कुर्क और जब्त की गई कुल परिसंपत्तियों का आंकड़ा 23,100 करोड़ के पार पहुंच गया है।

ईडी द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह ताजा कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल)/रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी के मामलों में की गई है। एजेंसी ने दोनों मामलों के तहत अलग-अलग कार्रवाई की है, जिसमें रिलायंस होम फाइनेंस और कमर्शियल फाइनेंस केस में 263.05 करोड़ तथा रिलायंस कम्युनिकेशंस बैंक फ्रॉड केस में 247.12 करोड़ मूल्य की परिसंपत्तियों की कुर्की की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, कुर्क की गई संपत्तियों में चार्टर्ड विमानों से लेकर औद्योगिक और अचल परिसंपत्तियां शामिल हैं। आरकॉम केस में महाराष्ट्र में स्थित दो चार्टर्ड विमान, छह भूखंड और एक कार्यालय परिसर जब्त किया गया है, जबकि आरएचएफएल व आरसीएफएल केस में तमिलनाडु में स्थित दो पवन चक्कियां, बैंक बैलेंस, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), निवेश और प्राप्य राशियां शामिल हैं।



राज्यमंत्री ने की घोषणा शहीद टीआई के नाम पर होगा गांव के शासकीय स्कूल का नामाकरण

फर्ज निभाते शहीद हुए लाल को नम आंखों से दी विदाई, अंतिम यात्रा में लगे देशभक्ति के नारे

धार। देवास जिले के खातेगांव मे शराब से भरे वाहन को चेकिंग के दौरान रोकने के बाद शहीद हुए टीआई दिलीप पुरी की पार्थिव देह उनके गांव बरमंडल पहुँचते ही माहौल देशभक्ति के साथ गमगीन हो गया।सोमवार दोपहर मे करीब 4 बजकर 20 मिनट पर टीआई दिलीप कुमार पुरी का पार्थिव शरीर तिरंगे में लपेटकर उनके पैतृक गांव लाया गया। जैसे ही तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर छा गई। पत्नी, बेटी, पिता,माँ बहन सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। अपने प्रियजन को तिरंगे में लिपटा देखकर परिजन बिलख पड़े। घर पर मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं और माहौल गमगीन हो गया।

इस दुख की घड़ी में इंदौर आईजी अनुराग, कमिश्नर भास्कर लक्षाकार, सहित पुलिस और प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी भी बरमंडल पहुंचे। अधिकारियों ने टीआई के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। इंदौर आईजी अनुराग ने कहा कि दिलीप कुमार पुरी पुलिस परिवार के बहादुर और होनहार सदस्य थे। उनकी मौत से पूरा पुलिस परिवार दुखी है। इस दुख और संकट की घड़ी में पुलिस विभाग पूरी तरह उनके परिवार के साथ खड़ा है। आईजी ने बताया कि पूरे मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जा रही है और कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं।इस दौरान परिजनों ने आईजी और कमिश्नर के सामने अपनी मांगें रखीं। उन्होंने दिलीप पुरी की पत्नी को शासकीय अनुकंपा नियुक्ति देने, घटना के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पूरे



मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की।

गार्ड ऑफ आनर के साथ विदाई

इसके बाद तिरंगे में लिपटे टीआई दिलीप कुमार पुरी के पार्थिव शरीर को सुसज्जित रथ में रखकर समाधि स्थल तक लाया गया। गांव में अंतिम यात्रा निकली तो बड़ी संख्या में ग्रामीण, पुलिसकर्मी, प्रशासनिक अधिकारी और परिजन शामिल हुए। इस दौरान देशभक्ति गीत बजाए गए और पूरे रास्ते लोग नम आंखों से अपने गांव के वीर सपूत को अंतिम विदाई देते नजर आए।समाधि स्थल पर पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ आनर दिया और हवाई फायर कर सलामी दी। इसके बाद पूरे विधि-विधान और राजकीय सम्मान के साथ टीआई दिलीप कुमार पुरी को समाधि दी गई। अंतिम विदाई के दौरान पत्नी, बेटी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। अंतिम यात्रा मे शासन की और से राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र शिवाजी पटेल भी शामिल हुए उन्होने शासन की और से श्रद्धांजलि अर्पित की। वही ग्रामीणों ने उन्हे मांग पत्र सौंपते हुए घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग के साथ गांव के शासकीय विद्यालय का नाम स्वर्गीय टीआई दिलीप पुरी के नाम पर करने की मांग की ।जिस पर मंत्री ने कलेक्टर से इस पर जल्द कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जीवन परिचय -

रविवार की मध्य रात्रि मे देवास जिले के खातेगांव मे फर्ज निभाते शहीद हुए बरमंडल के लाल टीआई दिलीप पुरी की गिनती काबिल पुलिस अफसरो मे होती थी। अपने फर्ज के प्रति सदैव सजग रहने वाले दिलीप पुरी मध्यम वर्गीय परिवार से थे। 21 सितबंर 1981 को सदर बाजार बरमंडल मे ओम प्रकाश पुरी के यहा पर जन्म लेने वाले टीआई दिलीप पुरी पढाई मे तेज थे। गांव के शाउमावि बरमंडल से ही वर्ष 1997 मे हायर सेकेंडरी की पढाई पुरी करने के बाद धार के पीजी कालेज से बीएएससी और एमएससी मैथ्स से पढाई करने के बाद वर्ष 1996-97 मे गांव मे ही सरस्वती शिशु मंदिर मे बतौर आचार्य के तौर पर विद्याथीयो को पढाया। उसके बाद 2002-2003 मे शाउमावि बरमंडल जहा पर उन्होने शिक्षा ग्रहण की वहा पर अतिथी शिक्षक के तौर पर बच्चो को पढाया। उसके बाद राजोद के सुराज कान्वेट स्कुल मे 2005-2006 के शिक्षक के तौर पर पढाया। वर्ष 2006-2007 मे बदनावर तहसील के गांव बखतपुरा मे माध्यमिक शिक्षक के पद पर चयन हुआ। जहा से पुलिस उपनिरीक्षक की वेकेसी निकलने पर आवेदन किया कठोर तैयारी कर लिखीत और शारीरीक परिक्षा पास कर चयनित हुए। 2006-2007 मे जबलपुर जिले मे प्रथम नियुक्ति हुए। उसके बाद बालाघाट मे प्रषिक्षण अवधि पुर्ण करने के बाद प्रमोषन निरीक्षक के तौर पर हुआ। उसके बाद सतना मे रामनगर और अमरपाटन थाने की कमान संभाली। इंदौर मे आजादनगर ,महुँ,चंदनगर,हीरानगर थाने की कमान संभाली। खंडवा मे छैगावं माखन कोतवाली थाने की कमान संभाली। बडवानी मे राजपुर,जुलवानिया, और सेंधवा की कमान संभाली। देवास मे कुछ माह पुर्व ही सतवास और वर्तमान मे खातेगांव थाने की कमान संभाली थी।

31 गिरफ्तार, 48 घंटे में 58 केस दर्ज

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, रात में गश्त, संदिग्ध जगहों पर जांच, प्रमुख रास्तों पर वाहनों की चेकिंग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। धार में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत विभाग की टीमें दिन के साथ रात में भी गश्त कर रही हैं। पिछले 48 घंटे में अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई करते हुए 58 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 31 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। टीम ने 2567 बल्क लीटर देशी-विदेशी शराब और महुआ लहान जब्त किया है। जब्त सामग्री की कीमत 3 लाख रुपए से अधिक बताई गई है।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना के आदेश और सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के मार्गदर्शन में यह अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी



विभाग की टीमें जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में होटल, ढाबों और संदिग्ध ठिकानों पर पहुंचकर जांच कर रही हैं। इसके साथ ही प्रमुख सड़कों और ग्रामीण रास्तों पर भी नजर रखी जा रही है।

रात में गश्त, संदिग्ध जगहों पर जांच

अवैध शराब की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने रात में गश्त बढ़ाई है। टीमों द्वारा उन जगहों पर औचक जांच की जा रही है, जहां अवैध शराब के निर्माण, भंडारण या बिक्री की आशंका है। जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियां मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। अवैध शराब को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने से रोकने के लिए जिले के प्रमुख राजमार्गों, ग्रामीण संपर्क मार्गों और शहरी सीमाओं पर चेकिंग पॉइंट बनाए गए हैं। यहां दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ मालवाहक वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। विभाग का उद्देश्य शराब के अवैध परिवहन पर रोक लगाना है।

होटल और ढाबा संचालकों को चेतावनी

आबकारी विभाग की टीमों ने सार्वजनिक स्थानों, होटलों और ढाबों के संचालकों को भी चेतावनी दी है। उनसे कहा गया है कि अपने परिसर में अवैध शराब का भंडारण या सेवन न होने दें।ऐसा पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने साफ किया है कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई के तहत मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं।

विश्वकर्मा ने राष्ट्रीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया

मोहन बड़ोदिया। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद में देवास संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत शाजापुर जिले के ग्राम मंडोदा निवासी गौ सेवक कमल विश्वकर्मा ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

कार्यक्रम के दौरान कमल विश्वकर्मा ने परिसीमन विधेयक, महिला आरक्षण तथा एससी-एसटी से जुड़े प्रस्तावों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने इन विषयों पर चर्चा करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में सभी वर्गों की भागीदारी, महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। राष्ट्रीय युवा संसद जैसे मंच पर ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े युवा द्वारा राष्ट्रीय स्तर के विषयों पर अपनी बात रखना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। कमल विश्वकर्मा की इस सहभागिता से मंडोदा गांव सहित शाजापुर जिले और देवास संसदीय क्षेत्र का नाम रोशन हुआ।

जिला अस्पताल की बदहाल व्यवस्था पर जनप्रतिनिधियों की चुप्पी क्यों है ?

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



आगर-मालवा। जिला अस्पताल आगर-मालवा की बदहाल व्यवस्थाओं को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिले के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल में यदि स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है, तो इसका खामियाजा आखिर आम मरीजों और उनके परिजनों को क्यों भुगतना पड़े?

जिला अस्पताल पूरे जिले के मरीजों के उपचार का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और मरीजों को समय पर उपचार मिलना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन व्यवस्थाओं को लेकर उठ रहे सवाल यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर इन समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस पहल कब होगी? सबसे बड़ा सवाल जिला प्रशासन और कलेक्टर आगर-मालवा से है कि क्या जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है? यदि समीक्षा हो रही है, तो फिर समस्याओं का समाधान धरातल पर क्यों दिखाई नहीं दे रहा? लोगों का सवाल है कि जिले के जनप्रतिनिधियों मधु गेहलोत, महेंद्र सिंह सोलंकी, ओम मालवीय, भेरूसिंह परिहार बापू एवं रोडमल नागर से भी जनता जवाब चाहती है कि आखिर जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर उनकी सक्रियता कहां है? क्या जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल चुनाव तक सीमित है या जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना भी उनकी प्राथमिकता है? जनता का सवाल साफ है–जब आम नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ता है, तब जिम्मेदारों की जवाबदेही कौन तय करेगा? अस्पताल की समस्याओं का निरीक्षण, नियमित मॉनिटरिंग और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना समय की मांग है।अब जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को सामने आकर यह बताना चाहिए कि जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए क्या ठोस कदम उठाए जा रहे हैं?

कलेक्टर को दी जनहित के मुद्दों की जानकारी



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। पत्रकार राजवीर छाबड़ा एवं आदर्श मेवाडे ने खरगोन कलेक्टर से सौजन्य भेंट कर जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की जनसमस्याओं, ग्रामीण विकास एवं आमजन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की ओर कलेक्टर का ध्यान आकर्षित किया।

भेंट के दौरान पत्रकारों ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक पहल एवं समस्याओं के निराकरण की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार प्रकाशित करना ही नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाकर उनके समाधान की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाना भी है।कलेक्टर ने भी जनहित से जुड़े विषयों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर पत्रकार राजवीर छाबड़ा एवं आदर्श मेवाडे उपस्थित रहे।

मिठाई, नमकीन, मावा और तेल के लिए नमूने

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



धार। त्योहारी सीजन में मिठाई और खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मिलावट एवं गुणवत्ता को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है। मंगलवार को विभागीय टीम ने पीथमपुर में पांच खाद्य प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक दबिश देकर निरीक्षण किया। इस दौरान मिठाई, नमकीन, मावा, खाद्य तेल सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 15 नमूने एकत्रित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल स्थित राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट में गुणवत्ता संबंधी गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना के निर्देश एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश के आदेश पर जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच का अभियान चलाया जा रहा है। अभिहित अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी राम गोपाल मऊटा एवं सुभाष खेड़कर की टीम ने पीथमपुर में अलग-अलग प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

सफाई व्यवस्था में मिली कमी, रिकॉर्ड भी नहीं मिला

जांच के दौरान सांवलिया रतलामी नमकीन, छत्रछाया कॉलोनी से सेव पैक, खुला मावा, पॉम तेल एवं मोतीचूर के लड्डू के नमूने लिए गए। निरीक्षण में प्रतिष्ठान पर साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। इसके अलावा नमकीन निर्माण में उपयोग किए जा रहे पानी की जांच रिपोर्ट और पेस्ट कंट्रोल से संबंधित रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं पाया गया। इन कमियों को लेकर फर्म को सुधार सूचना नोटिस जारी किया जाएगा।

इन प्रतिष्ठानों से लिए नमूने

विभागीय टीम ने सिमरन स्वीट्स, महू-नीमच रोड से मावा एवं गुपचुप मिठाई के नमूने लिए। सैनी स्वीट्स से मावा बर्फी और बेसन चक्की, श्री राधे राधे किराना से काजू, बादाम, माधुरी नमकीन पैक एवं कीर्ति सोयाबीन तेल पैक के नमूने एकत्रित किए गए। वहीं श्री गजानंद सैनी स्वीट्स से पिस्ता बर्फी, मलाई डोडा एवं मक्खन बड़ा के नमूने जांच के लिए लिए गए।

रिपोर्ट के बाद होगी आगे की कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पांचों प्रतिष्ठानों से कुल 15 नमूने एकत्रित कर भोपाल प्रयोगशाला भेजे हैं। अब प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट पर विभाग की अगली कार्रवाई निर्भर करेगी।खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत रिपोर्ट में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग का कहना है कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में आकस्मिक निरीक्षण का अभियान जारी रहेगा।

गाजे-बाजे के साथ 7 नवंबर को होगा माँ काली का आगमन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अनूपपुर। माँ मनोकामना समिति अनूपपुर के तत्वावधान में दीपावली के शुभ अवसर पर काली पूजन महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया जा रहा है। इस वर्ष महोत्सव अपने 7वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। समिति के अध्यक्ष शुभम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम राम जानकी मंदिर,वार्ड क्रमांक 04, अनूपपुर के पास आयोजित होगा।

कार्यक्रम के अनुसार 7 नवंबर को गाजे-बाजे के साथ माँ का आगमन, श्रद्धालुओं का एकत्रीकरण शाम 4 बजे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी एवं माता जानकी मंदिर में होगा,वहाँ से सभी श्रद्धालु शाम 5 बजे थोक सब्जी मंडी जाएंगे और माँ की प्रतिमा को शोभा यात्रा के साथ लेकर राम जानकी मंदिर प्रांगण के पास लाया जाएगा। 8 नवंबर रात्रि 11 बजे से माँ काली का विशेष पूजन-अर्चन, 9 नवंबर प्रातः 10 बजे कन्या पूजन एवं विशाल भंडारा,सायं 7 बजे से महाआरती एवं देवी जागरण।10 नवंबर सायं 4 बजे से भव्य विसर्जन जुलूस समारोह निकाला जाएगा। मनोकामना समिति के अध्यक्ष शुभम ठाकुर ने बताया कि प्रतिवर्ष माँ को चाँदी का श्रृंगार अर्पित किया जाता है, इस वर्ष विशेष रूप से माँ को चाँदी का मुकुट अर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनूपपुर में माँ काली को माँ मनोकामना के नाम से जाना जाता है।

जनसुनवाई जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 121 आवेदन पहुंचे

जमीन, फर्जी नियुक्ति और मुआवजे की समस्या

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। जिले में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में एक बार फिर आमजन अपनी समस्याएं और शिकायतें लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अलग-अलग क्षेत्रों से आए आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 121 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से लेकर जमीन विवाद, अतिक्रमण, फर्जी नियुक्ति, मजदूरी भुगतान और आर्थिक सहायता जैसे मामले प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। जिन मामलों में तत्काल कार्रवाई संभव है, उनमें बिना देरी किए राहत पहुंचाई जाए। वहीं, जिन प्रकरणों में अन्य विभागों के समन्वय की आवश्यकता है, उनमें आपसी तालमेल बनाकर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने



स्पष्ट किया कि आवेदकों को अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

योजनाओं का लाभ दिलाने से लेकर जमीन विवाद तक की शिकायतें

जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना और संबल योजना का लाभ दिलाने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि दिलवाने, छात्रवृत्ति, पट्टा वितरण तथा स्वामित्व योजना में दर्ज त्रुटियों को सुधारने संबंधी आवेदन आए। इसके अलावा मालीपुरा की शासकीय भूमि को आबादी घोषित करने, मकान के ऊपर से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन हटाने और बाग जनपद के ग्राम जेटा में नर्मदा पाइपलाइन के माध्यम से तालाब में पानी भरवाने की मांग भी रखी गई। भूमि संबंधी शिकायतों में निजी जमीन पर अतिक्रमण, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, कृषि भूमि का आपसी बंटवारा, फर्जी फौती नामांतरण, सीमांकन, भू-अर्जन की अधिग्रहित भूमि का मुआवजा और खेत तक आने-जाने का रास्ता खुलवाने जैसे मामले सामने आए। वहीं, आंगनवाड़ी में कथित फर्जी नियुक्ति, ऋण माफी, मजदूरी का भुगतान और अनुकंपा नियुक्ति दिलाने की मांग को लेकर भी आवेदकों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं।

बीमारी, आर्थिक सहायता और पारिवारिक समस्याएं भी पहुंचीं

जनसुनवाई में गंभीर बीमारी और आर्थिक परेशानियों से जुड़े आवेदन भी सामने आए। कैंसर से मृत्यु होने पर परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने, बीमारी के उपचार के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराने, दिव्यांग व्यक्ति को ट्राइसिकल प्रदान करने तथा जेल में बंद पति को पैरोल पर छुड़वाने की मांग भी आवेदकों ने रखी। इन मामलों में कलेक्टर ने संबंधित विभागों को नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मीना ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई केवल आवेदन प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक शिकायत पर ठोस कार्रवाई होना जरूरी है। जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतते हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए।

नारकोटिक्स की कार्रवाई, ट्रक से 595 किलो अफीम का भूसा पाउडर जब्त

ट्रक के फर्श में बना रखा था गुप्त चैंबर, दो आरोपी गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

धार। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की मध्य प्रदेश इकाई ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बदनावर के पास एक ट्रक से 595.420 किलोग्राम अफीम के भूसे का पाउडर जब्त किया है। तस्करी के लिए पंजाब में पंजीकृत टाटा ट्रक के फर्श में विशेष रूप से गुप्त जगह बनाई गई थी, जिसमें प्रतिबंधित पदार्थ छिपाकर ले जाया जा रहा था। सीबीएन की टीम ने ट्रक में सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

सीबीएन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, अधिकारियों को विशिष्ट खुफिया सूचना मिली थी कि संदिग्ध वाहन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर सीबीएन की संयुक्त टीम ने संदिग्ध मार्ग पर निगरानी रखी और बदनावर के पास पंजाब नंबर के टाटा ट्रक को रोक लिया। वाहन की गहन तलाशी लेने पर ट्रक के फर्श में विशेष रूप से तैयार किए गए गुप्त चैंबर का पता चला। इसमें छिपाकर रखे गए 60 प्लास्टिक बैग बरामद हुए, जिनमें कुल



595.420 किलोग्राम अफीम के भूसे का पाउडर भरा हुआ था। टीम ने प्रतिबंधित सामग्री के साथ ट्रक को भी जब्त कर लिया। मामले में ट्रक सवार दोनों व्यक्तियों को एनडीपीएस अधिनियम 1985 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। सीबीएन अब जब्त मादक पदार्थ के स्रोत, उसकी तस्करी और वितरण से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

घंटाघर पर किया प्रदर्शन, टीआई दिलीप पुरी की हत्या को बताया कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, बोली शराब माफिया के आगे बेबस है सरकार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खंडवा। मध्यप्रदेश की शराब नीति और प्रदेश में कथित रूप से बढ़ते शराब माफिया के प्रभाव के खिलाफ कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह 10:30 बजे खंडवा में कांग्रेसजनों ने घंटाघर पर एकत्रित होकर प्रदेश सरकार की शराब नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए शराब माफिया पर अंकुश लगाने और अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में शराब माफिया को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। इसके चलते अवैध शराब का कारोबार लगातार बढ़ रहा है और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

मध्यप्रदेश में शराब माफिया बुरी तरह हावी : मिश्रा

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. मुनीश मिश्रा ने कहा कि मध्यप्रदेश में शराब माफिया बुरी तरह हावी है। शिवराज



सरकार के कार्यकाल से लेकर वर्तमान मोहन सरकार तक शराब माफिया का प्रभाव लगातार बढ़ा है। उन्होंने खंडवा में पदस्थ रहे कोतवाली टीआई दिलीप पुरी की शराब माफिया द्वारा वाहन से कुचलकर की गई हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि जब एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं है तो आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शराब माफिया को कहीं न कहीं से संरक्षण मिल रहा है, जिसके कारण उसके हौसले बुलंद हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि शराब के कारण घर-घर में परिवार बर्बाद हो रहे हैं। सरकार से बार-बार शराब माफिया पर कार्रवाई की मांग की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद समस्या कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। उन्होंने टीआई दिलीप पुरी के परिवार को घोषित एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के सदस्य को नौकरी देने की घोषणा को अपर्याप्त बताते हुए और अधिक सहायता देने की मांग की।

दोषियों को ऐसी सजा देनी चाहिए जो उदाहरण बने : मंडलोई

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमिताभ मंडलोई ने कहा कि टीआई दिलीप पुरी की हत्या की घटना प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब वदीर्धारी पुलिस अधिकारी पर ही शराब माफिया इस तरह हमला कर सकता है तो आम नागरिकों, व्यापारियों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रशासन को सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों को ऐसी सजा देनी चाहिए, जो भविष्य में इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने वालों के लिए उदाहरण बने। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विशाल जैन ने खातेगांव की घटना पर दुख जताते हुए टीआई दिलीप पुरी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शराब माफिया के बढ़ते प्रभाव के कारण प्रदेश में लगातार गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं। जहरीली शराब और अवैध कारोबार के कारण लोगों की जान जा रही है। पुलिस अधिकारी पर हुआ हमला सीधे पुलिस प्रशासन और कानून व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। कांग्रेस इस घटना की कड़ी निंदा करती है और शराब माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। प्रदर्शन के दौरान शांतनु दीक्षित, विकास व्यास, अजीज मदनी,,श्याम यादव,आलोक सिंह रावत,डॉ चैनसिंह वर्मा,डॉ शरद हरणे,दीपक मुल्लू राठौर ,डॉ चैनसिंह वर्मा,योगेश जांगिड़, सुनील दिलावर, हुकुम मेलुन्दे,आशीष कपिल,मुन्नू बाउजी,राम वर्मा, नासिर खान, रणधीर कैथवास,देवेंद्र जैन, जगदीश चौरे,शैलेंद्र वर्मा, संदीप सोनी,राम वर्मा,वकील नीलकंठ,नासिर खान,आशीष कपिल आदि मौजूद रहे।

इधर, अवैध शराब पर 9 प्रकरण कायम, 80 हजार की जब्त की गई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



सीहोर। जिले में आबकारी विभाग द्वारा कलेक्टर बालागुरु के. के निर्देशानुसार अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण, क्रय-विक्रय, परिवहन एवं चौर्यनयन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में कुल 09 अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रकरण कायम किए गए जिसमें 43 पाव देशी मदिरा, 18 पाव विदेशी मदिरा एवं 09 बोतल बीयर, 30 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं 690 किलो महुआ लाहन जप्त किया गया। उक्त जप्त सामग्री का बाजार मूल्य रुपए 80,390 आंकलित किया गया।

इसके अतंर्गत वृत्त आष्टा के ग्राम कजलास में दबिश दी जाकर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 के तहत 01 प्रकरण कायम कर 15 लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा एवं 280 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया। इसी प्रकार वृत्त सीहोर के दरबार ढाबा सीहोर भोपाल हाईवे पर दबिश दी जाकर 18 पाव देशी प्लेन मदिरा जप्त कर 01 आरोपी गिरफ्तार किया गया तथा ग्राम मीलखेड़ी जिला सीहोर में 01 आरोपी के कब्जे से 05 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जप्त कर 01 प्रकरण कायम किया गया।

6 प्रकरण कायम कर 45 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त

इसी प्रकार वृत्त बुधनी/भैरूंदा में आबकारी उपनिरीक्षक द्वारा वृत्त बुधनी के ढाबे एवं ग्राम तालपुरा में कार्यवाही किया जाकर 06 प्रकरण कायम कर 45 बल्क लीटर देशी मदिरा, 8.49 बल्क लीटर विदेशी मदिरा, 10 लीटर कच्ची मदिरा एवं 410 किलो महुआ लाहन जप्त किया गया। उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती संगीता नायक, आबकारी उपनिरीक्षक माधव कुण्डल, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री ललित गीते, आबकारी आरक्षक आकाश कोरी, श्री सत्यवान वर्मा, सुश्री शिखा एवं नगर सैनिकों का सराहनीय योगदान रहा।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने गटका जहर, मौत

शाजापुर। नगर के काशी नगर में सोमवार को 26 वर्षीय युवक की जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। पुलिस की माने तो युवक ने पत्नी से विवाद के बाद यह कदम उठाया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक बृजमोहन सोनगरा ने पहले शराब पी थी। घर की तलाशी के दौरान देशी शराब का एक क्वार्टर और आधी खाली सल्फास की डिब्बी मिली। कोतवाली थाने के सब-इंस्पेक्टर अंकित इटावडिया ने बताया कि बृजमोहन निछमा के रहने वाले थे।

पिता की स्मृति में धर्मशाला को दी 44 हजार की राशि



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

कसरावद। माता-पिता के संस्कार और उनके द्वारा दिए गए जीवन मूल्यों की असली पहचान उनके जाने के बाद भी उनके अच्छे कार्यों से होती है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए तहसील क्षेत्र के ग्राम अमलाथा नहारखेड़ी पुनर्वास में स्वर्गीय बादाम सिंह पिता चंदर सिंह के मंगलवार को बारहवें एवं पगड़ी रस्म कार्यक्रम के दौरान उनके पुत्र दुर्गेश चौहान ने प्रेरणादायी पहल की। उन्होंने अपने पिता की स्मृति को धार्मिक और सामाजिक कार्यों से जोड़ते हुए मंदिरों तथा समाज की धर्मशाला के लिए कुल 44 हजार रुपए की दान राशि भेंट की।

दुर्गेश चौहान ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी मंदिर निर्माण के लिए 11 हजार रुपए, कृष्ण मंदिर के लिए 11 हजार रुपए, कुलदेवी माता मंदिर के लिए 11 हजार रुपए तथा समाज की धर्मशाला के लिए 11 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। इस प्रकार उन्होंने चार अलग-अलग धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए समान रूप से आर्थिक सहयोग देकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और श्रद्धा का परिचय दिया। पगड़ी रस्म जैसे पारिवारिक एवं सामाजिक अवसर पर इस तरह का सहयोग देना अपने आप में एक सकारात्मक संदेश है।

चौहान ने प्रस्तुत की नई मिसाल

कार्यक्रम में बताया गया कि सामान्यतः ऐसे अवसरों पर परिवारजन दिवंगत सदस्य को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी स्मृतियों को याद करते हैं, लेकिन दुर्गेश चौहान ने इस अवसर को जनहित और सामाजिक सहभागिता से जोड़कर एक नई मिसाल प्रस्तुत की। उनकी इस पहल से धार्मिक स्थलों के निर्माण एवं समाज की धर्मशाला जैसे सामुदायिक कार्यों को भी सहयोग मिलेगा।कार्यक्रम के दौरान परिवारजनों,समाजजनों एवं रिश्तेदारों ने स्वर्गीय बादाम सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थितजनों ने दुर्गेश चौहान की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि दिवंगत परिजनों की स्मृति में किए गए सेवा, धर्म और समाजहित के कार्य उनकी यादों को लंबे समय तक जीवित रखते हैं।

बच्चों ने देखा लाल किला और ताजमहल

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

खरगोन। गोकुलदास पब्लिक स्कूल, खरगोन द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उन्हें पुस्तकीय ज्ञान के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से आगरा, दिल्ली एवं नैनीताल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस यात्रा में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित कुल 130 सदस्यीय दल ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भ्रमण के प्रथम चरण में विद्यार्थियों ने आगरा पहुँचकर विश्वविख्यात ताजमहल का अवलोकन किया। इसकी अद्भुत स्थापत्य कला, संगमरमर पर की गई बारीक नक्काशी एवं ऐतिहासिक महत्त्व को जानकर विद्यार्थी अभिभूत हुए। इसके पश्चात उन्होंने आगरा फोर्ट (आगरा किला) का भ्रमण किया और इतिहास, शाही जीवनशैली एवं स्थापत्य कला से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

लाल किला से समझी स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा

यात्रा के अगले चरण में देश की राजधानी दिल्ली में विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक लाल किला देखा तथा भारतीय इतिहास एवं स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा को समझा। इसके बाद इंडिया गेट एवं राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) पहुँचकर देश के वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इन स्थलों ने विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को और सुदृढ़ किया।



भ्रमण का अंतिम चरण उत्तराखंड के रमणीय पर्यटन स्थल नैनीताल में रहा। यहाँ विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर एवं नैना देवी मंदिर में दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। इसके साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण नैनी झील में नौकायन का आनंद लिया तथा प्रसिद्ध मॉल रोड का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने नैनीताल की प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतीय जीवनशैली एवं स्थानीय संस्कृति को निकट से जाना।

भीमताल एवं नौकुचियाताल की मनोहारी झीलों का अवलोकन

इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने भीमताल एवं नौकुचियाताल की मनोहारी झीलों का अवलोकन किया। पर्वतों से घिरी इन झीलों की प्राकृतिक छटा ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को पर्वतीय भौगोलिक संरचना, जल संसाधनों एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को समझने का अवसर मिला।

राष्ट्रीय गौरव, धार्मिक परंपराओं एवं भौगोलिक विविधता का अनुभव

प्राचार्या श्रीमती मंडला वेदवती ने बताया कि इस शैक्षणिक यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास, संस्कृति, स्थापत्य कला, राष्ट्रीय गौरव, धार्मिक परंपराओं एवं भौगोलिक विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। साथ ही सामूहिक जीवन, अनुशासन, समय प्रबंधन, सहयोग, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक व्यवहार जैसे जीवन मूल्यों को सीखने का अवसर भी मिला। अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक बताया कि यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए शिक्षा से परिपूर्ण एक प्रेरणादायी यात्रा सिद्ध हुआ।

बदमाशों ने किया पेट्रोल पंप कर्मचारी पर हमला

घटना सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

आगर मालवा। जिले के सुसनेर में दिनदहाड़े नकाबपोश बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मचारी पर हमला कर लाठी-डंडों से कर्मचारी के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। बदमाश काले रंग की कार में सवार होकर पेट्रोल पंप पहुंचे थे। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वारदात के बाद नाराज पेट्रोल पंप संचालकों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

उक्त मामला सुसनेर के कुलदेवी पेट्रोल पंप का है, जहां आरोप है कि नकाबपोश बदमाश काले रंग की कार में सवार होकर पहुंचे और पेट्रोल पंप कर्मचारी के पास जाते ही उस पर लाठी-डंडों से हमला कर देते हैं । दिनदहाड़े हुई इस मारपीट में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल कर्मचारी को सुसनेर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें काले रंग की कार से पहुंचे बदमाश कर्मचारी के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।घटना के बाद सुसनेर के पेट्रोल पंप संचालकों में नाराजगी भी देखी गई। संचालकों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पेट्रोल पंपों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

मंडी ने की अक्टूबर माह में 8.53 करोड़ की कमाई, धान की बंपर आवक से 254% की वृद्धि

डबरा। कृषि उपज मंडी समिति डबरा ने इस वर्ष अक्टूबर माह में आय का नया रिकॉर्ड बना दिया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष धान की आवक अधिक होने से मंडी शुल्क में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। मंडी प्रशासन से प्राप्त ई-अनुज्ञा आवक रिपोर्ट के अनुसार - पिछले वर्ष (1 से 31 अक्टूबर 2025 तक) मंडी में कुल आवक 95,046.31 टन रही थी, जिससे मंडी को 2,40,45,155 रुपये (2.40 करोड़) की आय हुई थी। जबकि इस वर्ष (1 से 31 अक्टूबर 2026 तक) मंडी में आवक बढ़कर 1,65,202.56 टन हो गई। इससे मंडी की आय बढ़कर 8,53,26,219 रुपये (8.53 करोड़ से अधिक) हो गई है। आंकड़ों के मुताबिक इस बार आवक में 73.81 प्रतिशत और मंडी फीस में 254.85 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मंडी भारसाधक नवकिरण कौर के नेतृत्व में 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक मंडी के कुशल प्रबंधन और पारदर्शी व्यवस्था के चलते यह उपलब्धि हासिल हुई है। अधिकारियों का कहना है कि धान की बंपर पैदावार और किसानों का मंडी पर बढ़ा भरोसा इस वृद्धि का मुख्य कारण है।

जगतगुरु माउली सरकार अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट

भरवेली बालाघाट ने जीत ली चैंपियन ट्रॉफी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अनूपपुर। ग्राम जोड़ो अभियान के अंतर्गत रानी प्रभा कुमारी स्टेडियम भेजरी में आयोजित जगतगुरु माउली सरकार अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियन ट्रॉफी वर्ष 2026 का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन विभिन्न वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग का फाइनल मुकाबला भरवेली बालाघाट और अमरपाटन मैहर की टीम के बीच हुआ। रोमांचक मुकाबले में भरवेली बालाघाट ने एक गोल से जीत दर्ज कर चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम को 51 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार, जबकि उपविजेता अमरपाटन मैहर को 25 हजार रुपए की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया।

अंडर-18 वर्ग में मीडियारास विजेता

अंडर-18 वर्ग के फाइनल मुकाबले में



मीडियारास की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 21 हजार रुपए का पुरस्कार दिया गया। वहीं हाईस्कूल लीला की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जिसे 11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

बालिका वर्ग में राम एकेडमी शहडोल ने मारी बाजी

प्रतियोगिता में बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला राम एकेडमी शहडोल और कन्या परिसर राजेंद्रग्राम के बीच खेला गया। इसमें राम एकेडमी शहडोल की टीम प्रथम विजेता बनी, जिसे 11 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं कन्या परिसर राजेंद्रग्राम की टीम उपविजेता रही और उसे 5100 रुपए की पुरस्कार राशि दी गई।

प्रतियोगिात में चार टीमों को भी मिला प्रोत्साहन पुरस्कार

सीनियर क्वालिफाई मुकाबलों में आमगांव, मैकलसुता एकेडमी आमगांव, चोड़ी-पोंडी और किरगी की टीमों ने सहभागिता की। चारों टीमों को खेल के प्रति प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 11-11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अंतरराज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सीनियर, अंडर-18 और बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन ने पुष्पराजगढ़ क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच प्रदान किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन से क्षेत्र में खेल गतिविधियों को नई पहचान मिली है।

आयोजन प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं

समारोह में मुख्य रूप से कलेक्टर रत्नाकर झा भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह, श्याम, भाजपा जिला प्रभारी संजय साहू, पूर्व जिलाध्यक्ष रामदास पुर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पर्वती राठौर, जनपद अध्यक्ष मिथिलेश सिंह मौजूद रहे। कलेक्टर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा की आदिवासी अंचल की प्रतिभाओं को इस तरह के आयोजन प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। खेल से युवाओं का शारीरिक मानसिक विकास होने के साथ समाज के अंदर अपने हुनर का प्रदर्शन करने का भी मौका मिलता है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद खरगोन, जिला-खरगोन म0प्र0

निविदा सूचना क्रमांक/144/**MCK**/16176/ई-टेंडर/2026 खरगोन, दिनांक 03/10/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

अ.क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं **EMD**	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_546970_1 **Date**-02/11/2026	वार्ड क्रं. 9 जवाहर नगर में अहिल्या टॉवर से आनंद सुपारी वाले की दुकान की पीछे के साईड तक आर.सी.सी. नाला निर्माण कार्य।	03 माह लागत-2545072/-	5000/-19088/-	01/01/2026 5:30 **PM**
2.	2026_UAD_546971_1 **Date**-02/11/2026	वार्ड क्रं. 8 पहाड़सिंगपुरा में स्थित मुक्तिधाम में टीनशेड एवं विकास कार्य।	03 माह लागत-3349861/-	5000/-25124/-	

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(छाया जोशी) अध्यक्ष नगरपालिका परिषद खरगोन | (भोलू कर्मा) उपाध्यक्ष नगरपालिका परिषद खरगोन | (धीरेन्द्र सिंह चौहान) सभापति नगरपालिका परिषद खरगोन | (कमला कौल) मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद खरगोन



नोटों से सजेगा माँ गजलक्ष्मी मंदिर 5100 लीटर दूध से होगा अभिषेक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। पुराने शहर स्थित नई पेठ के प्राचीन माँ गजलक्ष्मी मंदिर में इस बार दिवाली पर्व बेहद खास और भव्य अंदाज में मनाया जाएगा। दिवाली के पावन अवसर पर मंदिर परिसर और गर्भगृह को 40 लाख रुपए के असली नोटों की लड़ियों से सजाया जा रहा है। रतलाम के प्रसिद्ध लक्ष्मी मंदिर की तर्ज पर होने वाली इस अनूठी सजावट की शुरूआत धनतेरस के दिन से होगी। इसके लिए मंदिर समिति और भक्तों द्वारा नोटों की खूबसूरत लड़ियां बनाने का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है। इसको लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

मंदिर के पुजारी पंडित अवधेश शर्मा ने जानकारी दी कि सजावट के लिए लगभग 100 भक्तों ने मिलकर आपस में 40 लाख रुपए की राशि जुटाई है। मंदिर में आने वाली भारी भीड़ और नोटों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 8 विशेष गार्ड तैनात रहेंगे, जबकि पूरे मंदिर परिसर पर नजर रखने के लिए 6 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं।

दूध और कमल माता को अर्पित होगा

दिवाली के दिन सुबह से ही माँ गजलक्ष्मी का 5100 लीटर दूध से महाअभिषेक किया जाएगा। इस दौरान श्रद्धालु अपने साथ दूध और कमल का फूल लाकर माता को अर्पित कर सकेंगे। पूजन संपन्न होने के पश्चात यह पवित्र दूध प्रसादम के रूप में सभी भक्तों में वितरित किया जाएगा। 8 नवंबर रविवार को श्रद्धालु देर रात 2 बजे तक माता के दर्शन कर सकेंगे, जिसके बाद सुहाग पड़वा के पूजन की तैयारियां आरंभ होंगी।

2 हजार साल पुराना है मंदिर

मान्यता है कि यह मंदिर लगभग 2 हजार साल पुराना है और सम्राट विक्रमादित्य के काल से जुड़ा है। सम्राट विक्रमादित्य मां गजलक्ष्मी को अपनी राजलक्ष्मी मानकर उनकी पूजा-अर्चना करते थे। मंदिर में मां गजलक्ष्मी की प्रतिमा एक ही पाषाण के स्फटिक से निर्मित है, जिसमें माता ऐरावत हाथी पर सवार पद्मासन मुद्रा में विराजमान हैं। इसके अलावा मंदिर में काले पाषाण से निर्मित भगवान विष्णु की एक अत्यंत दुर्लभ प्रतिमा भी स्थापित है, जिसमें उनके 24 अवतारों को छोटे-छोटे रूपों में दर्शाया गया है।

टीआई की मौत के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

देवास। शराब माफिया द्वारा ट्रक से कुचलकर खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या किए जाने के विरोध में मंगलवार को उज्जैन में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। टॉवर चौराहे पर जुटे कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने आंबेडकर प्रतिमा के सामने श्रद्धांजलि दी और मानव श्रृंखला बनाकर शराब माफिया के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई के साथ प्रदेश में शराब माफिया पर लगाम लगाने की मांग की।

प्रदर्शन में विधायक महेश परमार, शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी और नेता प्रतिपक्ष रवि राय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन रखकर टीआई दिलीप पुरी गोस्वामी को श्रद्धांजलि दी। विधायक महेश परमार ने आरोप लगाया कि प्रदेश में शराब माफिया के हौसले बुलंद हैं। देवास में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत के बावजूद माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी की हत्या की घटना प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

परमार ने आरोप लगाया कि सरकार ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। उन्होंने चेतावनी दी कि टीआई की मौत के विरोध में कांग्रेस आगे भी प्रदर्शन करेगी।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के क्रम में ठेकेदार और कंसल्टेंट पर कार्रवाई

सड़क चौड़ीकरण में लेटलतीफी 66 लाख रुपए का लगा जुर्माना

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

उज्जैन। आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत चल रहे सड़क चौड़ीकरण के कार्यों में ढिलाई और लापरवाही बरतना अब निर्माण एजेंसियों को भारी पड़ने लगा है। निर्माण कार्यों की धीमी गति पर कड़ा रुख अपनाते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने मंगलवार को संबंधित ठेकेदारों, कंपनियों और कंसल्टेंट पर कुल 66 लाख रुपए का भारी-भरकम जुमार्ना लगाने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को आयुक्त ने निगम अधिकारियों की टीम के साथ शहर के प्रमुख सड़क चौड़ीकरण मार्गों का मौका मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर भवनों की तुड़ाई की गति बेहद धीमी पाई गई, तो कहीं नाली निर्माण में अनावश्यक देरी और मौके पर जरूरी संसाधनों व संसाधनों की कमी नजर आई। इस पर नाराजगी जताते हुए आयुक्त ने ठेकेदारों को तत्काल अतिरिक्त श्रमिक और भारी मशीनें लगाकर काम में तेजी लाने की हिदायत दी। उन्होंने दो टूक कहा कि सिंहस्थ जैसे अति-महत्वपूर्ण आयोजन से जुड़ी विकास परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

योगेश इंटरप्राइजेस पर 20 लाख, टेक्नोजेन पर 1 लाख का जुर्माना

निरीक्षण के दौरान नीलकंठ से महाकाल चौराहे तक लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत से 370 मीटर लंबे मार्ग को 24 मीटर चौड़ा करने का कार्य देखा गया। यहाँ भवनों की तुड़ाई धीमी होने और मलबा समय पर न हटाने पर ठेकेदार योगेश इंटरप्राइजेस पर 20 लाख रुपए की पेनल्टी ठोकी गई, वहीं समय पर ड्राइंग-डिजाइन उपलब्ध न कराने के लिए कंसल्टेंट एजेंसी टेक्नोजेम पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। आयुक्त ने मौके से तुरंत मलबा साफ कराकर 100 मीटर नाली निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

ठेकेदार विजय इंफ्रा पर 25 लाख रुपए की पेनल्टी

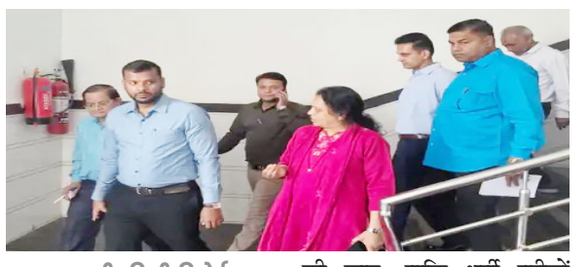
इसके अलावा, रामानुज कोट से दानीगेट तक 470 मीटर लंबे और 18 मीटर चौड़े मार्ग के निर्माण में पाई गई ढिलाई के चलते ठेकेदार विजय इंफ्रा पर 25 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई गई। यहाँ नाली व बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री अनुपलब्ध पाई गई थी। इसी मार्ग पर नाले की क्रॉसिंग के दौरान 1600 एमएम की पाइपलाइन डालने में लापरवाही बरतने के कारण टाटा कंपनी पर भी 20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।



650 मीटर लंबे सड़क चौड़ीकरण कार्य का लिया जायजा

तत्पश्चात आयुक्त ने 24 खंभा से हरसिद्धि पाल तक चल रहे 650 मीटर लंबे सड़क चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया और शेष भवनों के ध्वस्तीकरण को जल्द अंजाम देने का आदेश दिया। उन्होंने गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नाली निर्माण में प्री-कास्ट तकनीक का उपयोग करने और नल कनेक्शन के कार्यों को तेजी से निपटाने की बात कही। आयुक्त ने अधिकारियों को रोजाना धरातल पर निरीक्षण कर प्रगति रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए ताकि सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यातायात व्यवस्था समय रहते सुचारू बनाई जा सके।

कलेक्टर ने देखी अस्पताल में बच्चों के नाश्ते की गुणवत्ता



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलेक्टर डॉ. परीक्षित संजयराव झाड़े ने सोमवार को एमसीएच (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) वार्ड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वार्ड की साफ-सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिली। साथ ही कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वार्ड में साफ-सफाई, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और महिलाओं एवं बच्चों को दिए जाने वाले नाश्ते की व्यवस्था देखी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर और वार्डों में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। इस दौरान कलेक्टर ने एमसीएच वार्ड में भर्ती महिलाओं और बच्चों को दिए जाने वाले नाश्ते को स्वयं चखकर उसकी गुणवत्ता का जायजा लिया। इसके साथ ही उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे चर्चा की। उनसे इलाज की व्यवस्था, अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और असुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। साफ-सफाई, भोजन और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं में लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

अक्टूबर माह का शेष राशन 5 नवंबर तक

गुना । सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अक्टूबर का राशन 5 तारीख तक लिया जा सकता है।। वर्तमान में शासन की व्यवस्था के अनुसार कोई भी उपभोक्ता किसी भी दुकान से राशन प्राप्त कर सकता है। इसके साथ-साथ माह नवंबर 2026 का भी वितरण प्रारंभ हो गया है। हितग्राही शासकीय उचित मूल्य दुकान पर जाकर राशन प्राप्त कर सकते है।

टेनिस में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राज्य स्तरीय शालेय सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुरू

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। 70वीं राज्य स्तरीय शालेय सॉफ्ट टेनिस क्रीड़ा प्रतियोगिता के अंतर्गत सोमवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबले प्रारंभ हुए। इसमें विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। मुखर्जी नगर स्थित पायोनियर पब्लिक स्कूल में जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में 14, 17 एवं 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के बालक-बालिका खिलाड़ी हिस्सा लेकर खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता को लेकर प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होने अपनी पूर्ण क्षमता से अपना प्रदर्शन किया।

जिला शिक्षा अधिकारी एवं संगठन सचिव राजीव सूर्यवंशी तथा क्रीड़ा अधिकारी भारती पीपरा ने बताया कि सभी आयु वर्गों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले



खेले गए। अंतरराष्ट्रीय कोच एवं विश्वामित्र अवार्डी सुदेश सांगते ने प्रतियोगिता के प्रारंभिक परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि 14 वर्ष से कम बालक वर्ग में ग्वालियर संभाग ने जबलपुर संभाग को 2-0 से, जनजातीय विभाग ने भोपाल संभाग को 2-0 से तथा उज्जैन संभाग ने रीवा संभाग को 2-0 से पराजित किया।

इंदौर संभाग ने रीवा को 2-0 से हराया

प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम बालिका वर्ग में इंदौर संभाग ने रीवा को 2-0 से, उज्जैन संभाग ने ग्वालियर को 2-0 से तथा जनजातीय विभाग ने जबलपुर संभाग को 2-1 से हराया। 17 वर्ष से कम बालक वर्ग में इंदौर संभाग ने सागर को 2-0 से, भोपाल संभाग ने जबलपुर को 2-0 से, जनजातीय विभाग ने रीवा संभाग को 2-0 से तथा उज्जैन संभाग ने ग्वालियर संभाग को 2-0 से पराजित किया। 17 वर्ष से कम बालिका वर्ग में उज्जैन संभाग ने सागर को 2-0 से, भोपाल संभाग ने ग्वालियर को 2-0 से, जनजातीय विभाग ने रीवा को 2-0 से तथा इंदौर संभाग ने जबलपुर को 2-0 से हराकर जीत दर्ज की। 19 वर्ष से कम बालक वर्ग में इंदौर संभाग ने सागर को 2-0 से, ग्वालियर संभाग ने रीवा को 2-0 से, जबलपुर संभाग ने भोपाल को 2-0 से तथा उज्जैन संभाग ने जनजातीय विभाग को 2-0 से पराजित किया।

19 वर्ष से कम बालिका वर्ग में इंदौर संभाग ने उज्जैन को 2-0 से, जबलपुर संभाग ने भोपाल को 2-0 से, ग्वालियर संभाग ने रीवा को 2-0 से तथा जनजातीय विभाग ने सागर संभाग को 2-0 से हराया। प्रतियोगिता के दौरान भाजपा नेता नीरज चौहान, एल्डरमैन संतोष वर्मा एवं अनुज शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में मैच रेफरी के रूप में गौरव कदम, सुश्री प्रीति पवार, अभिषेक परिहार, पीयूष परमार एवं अनुष्का दवनडे ने अपनी भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय स्कूल बैंड में सुपरविजन एकेडमी को मिला प्रथम स्थान



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। गणतंत्र दिवस कार्यक्रम 2027 के लिए राष्ट्रीय स्कूल बैंड प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्तर पर हायर सेकेंडरी मैदान पर किया गया। इस प्रतियोगिता में जिला शिक्षा अधिकारी दीपा कीर के निर्देशानुसार जिले के शासकीय अशासकीय विद्यालय को मिलकर 9 विद्यालय ने अपने बैंड की प्रस्तुति दी। जिसमें अलग-अलग विधाओं में अपने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बच्चों ने अनुशासन में रहते हुए राष्ट्रगान और राष्ट्रीय धुन पर आधारित दोनों का वादन किया। जिसमें एक निश्चित ड्रेस और कदमताल करते हुए उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय। इस प्रतियोगिता में सुपरविजन एकेडमी पोलायकलां के छात्र-छात्राओं को प्रथम स्थान प्राप्त किया और विजेता टीम को 5 नवंबर को संभाग स्तर पर सम्मिलित होना है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट विक्रम मालवीय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राधावल्लभ कारपेंटर, कार्यक्रम प्रभारी महेंद्र मोहन सोनी और निर्णायक में ईटरनल स्कूल के संचालक विशाल झाला, केंद्रीय विद्यालय के संगीत शिक्षक सतीशकुमार सोलंकी, जिला योजना अधिकारी दीपककुमार शर्मा आदि उपस्थित थे। संचालन माध्यमिक शिक्षक संजय कुमार सोनी ने किया।

राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में ख्याति राजपूत ने हासिल किया प्रथम स्थान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। ग्वालियर में 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित राज्य स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता में प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल की कक्षा सातवीं की छात्रा सुश्री ख्याति राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं देवास का गौरव बढ़ाया।

उक्त जानकारी देते हुए नितिन शर्मा ने बताया कि ख्याति ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा और मेहनत के दम पर ख्याति राजपूत ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश की टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। अब वे राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। ख्याति की इस शानदार उपलब्धि पर प्रेस्टीज पब्लिक स्कूल के प्राचार्य आशीष पवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ख्याति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।



आयोजन सेन थॉम एकेडमी में भव्य वार्षिकोत्सव कोइनोनिया का आयोजन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोह लिया लोगों का मन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

देवास। सेन थॉम एकेडमी, भोपाल रोड, में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव कोइनोनिया का भव्य आयोजन अत्यंत उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। समारोह का प्रथम दिवस प्री-नर्सरी से कक्षा तीसरी तक के विद्यार्थियों को समर्पित रहा, जबकि द्वितीय दिवस कक्षा चौथी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। इसके पश्चात संस्था के अध्यक्ष सुनील थॉमस, निदेशिका श्रीमती हैंसी थॉमस एवं प्राचार्य पुनीत उपाध्याय द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

दो दिवसीय समारोह में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मनमोहक श्रृंखला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों, मधुर ऑर्केस्ट्रा, तथा समसामयिक विषयों पर आधारित विचारोत्तेजक हिंदी एवं अंग्रेजी



नाटकों ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। ऊजार्वान रेट्रो डांस, रामायण की भव्य प्रस्तुति, जल संरक्षण के महत्व पर हास्य एवं संवेदना से परिपूर्ण काव्य पाठ तथा प्रभावशाली ऑर्केस्ट्रा प्रस्तुतियाँ समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। प्रत्येक प्रस्तुति विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं कलात्मक उत्कृष्टता का प्रतिबिंब थी। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्षिक उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन निदेशिका श्रीमती हैंसी थॉमस द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने वर्षभर में विद्यालय द्वारा शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में अर्जित उल्लेखनीय उपलब्धियों को विस्तारपूर्वक साझा किया।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय का उत्कृष्ट योगदान

प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि आर्किटेक्ट जितेंद्र मेहता ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय के उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक एवं संवेदनशील मानव बनने तथा अपने चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। ि, त्रिभुवन सचदेवा ने विद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही समग्र शिक्षा की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को सिखाए जा रहे मूल्यों को घर पर अभिभावकों द्वारा भी प्रोत्साहित एवं पोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों में विवेकशीलता की शक्ति जागृत करने पर बल दिया, ताकि वे सही और गलत के बीच अंतर समझ सकें तथा जीवन में जिम्मेदार निर्णय ले सकें।

समारोह में गत शैक्षणिक सत्र के मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों का भी विशेष सम्मान किया गया। कक्षा बारहवीं की सिटी टॉपर देवांशी मेहता एवं कक्षा दसवीं के स्टेट रैंक 4 धारक आदित्य गोयल को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दो सप्ताह बाद भी नपा को नजर नहीं आए सड़क पर लगे फ्लैक्स

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। नगर के बस स्टैंड और फव्वारा चौक पर नवरात्रि और दशहरे के लिए लगाए गए स्वागत गेट अब तक नहीं हटाए गए हैं। इनके कारण बाजार आने-जाने वाले लोगों और चार पहिया वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। त्यौहार हुए दो सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन राह में रोड बन रहे ये फ्लैक्स अधिकारियों को आज तक नजर नहीं आए हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दीवाली नजदीक आने के साथ बाजारों में लोगों की आवाजाही बढ़ रही है। ऐसे में सड़क पर लगे स्वागत गेट के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। नवरात्रि और दशहरे के कई दिन बीतने के बाद भी आयोजकों ने ये गेट नहीं हटाए



हैं। नगर पालिका ने भी अब तक इस मामले में कार्रवाई नहीं की। नगर पालिका सीएमओ भूपेंद्र कुमार दीक्षित ने कहा कि कर्मचारी स्थापना दिवस के कार्यक्रम में व्यस्त थे। अब फ्लेक्स हटाने पर जल्द कार्रवाई करेंगे।

दो सप्ताह से परेशान हो रहे नगरवासी

दशहरा पर्व के आयोजन को लेकर ये फ्लैक्स लगाए गए थे। इसके अलावा टेंशन चौराहे पर भी फ्लैक्स लगाए गए थे। 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। उम्मीद थी कि एक या दो दिन बाद ये दोनो फ्लैक्स हटा लिए जाएंगे। लेकिन आज दो सप्ताह बीत चुके हैं और ये फ्लैक्स आज भी जस के तस लगे हुए हैं जिसके कारण दीपावली की खरीदारी के लिए बाजार आ रहे लोगों को जाम से परेशान होना पड़ रहा है।

बिना यातायात पुलिसकर्मियों के हो रही मनमानी वसूली से जनता में भारी आक्रोश

त्यौहारी सीजन में फिर सड़कों पर उतरी विवादास्पद टोइंग वैन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



गुना। दीपावली के पावन पर्व को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में खरीदारी के लिए आम जनता का हुजूम उमड़ रहा है। जयस्तंभ चौराहा, जज्जी बस स्टैंड, सदर बाजार और निचला बाजार समेत शहर के तमाम प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में इन दिनों भारी भीड़ देखने को मिल रही है। ऐसे समय में जब प्रशासन को यातायात और पार्किंग व्यवस्था सुचारू बनाने पर ध्यान देना चाहिए, तब शहर में एक बार फिर विवादास्पद टोइंग वैन को उतार दिया गया है।

टोइंग कर्मचारियों की मनमानी और रसीद काटने के रवैये से आम जनता और व्यापारी दोनों ही बेहद परेशान और आक्रोशित हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस बार टोइंग वैन के साथ सुरक्षा या सत्यापन के लिए यातायात पुलिस का एक भी जवान तैनात नहीं है, जिसकी वजह से वैनकर्मी बेखौफ होकर अपनी मनमर्जी चला रहे हैं। शहर में पार्किंग की विकराल समस्या लंबे समय से बनी हुई है। त्यौहार के मद्देनजर जिला प्रशासन ने कुछ चुनिंदा स्थानों को पार्किंग स्थल के रूप में चिन्हित जरूर किया था, लेकिन वहां जगह इतनी कम है कि गाड़ियों को खड़ा कर पाना नामुमकिन साबित हो रहा है। ऐसे में खरीदारी करने आने वाले नागरिक जब मजबूरी में अपनी गाड़ियों को सड़क किनारे पार्क करते हैं, तो टोइंग वैन के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचकर भारी-भरकम चालानी रसीद थमा देते हैं। बिना किसी पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में हो रही इस तरह की कार्रवाई ने लोगों के गुस्से को और बढ़ा दिया है। खरीददारों का कहना है कि एक तरफ शहर में पर्याप्त पार्किंग स्थल नहीं हैं, और दूसरी तरफ त्यौहार के माहौल में इस तरह की जबरन वसूली से लोगों का बजट बिगड़ रहा है और बाजारों का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

पहले भी विवादों में रहे कर्मचारी

गौरतलब है कि गुना में यह टोइंग वैन व्यवस्था पहले से ही भारी विवादों में रही है। महज दो महीने पहले टोइंग वैन कर्मचारियों की लापरवाही के कारण एक कार मालिक की गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। उस दौरान मामला इतना बढ़ गया था कि बात थाने और एसपी कार्यालय तक जा पहुंची थी। शुरूआत में टोइंग वैन के प्रबंधक ने वाहन मालिक पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था, जिसके जवाब में वाहन मालिक ने भी प्रबंधक के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस घटना के बाद से ही टोइंग वैन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों का स्पष्ट आरोप है कि टोइंग वैन संचालक सिर्फ अपने वित्तीय मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रहे हैं, जिससे त्यौहार के समय शहर का माहौल खराब हो रहा है।

डीएसपी बोले-हमारे पास पर्याप्त अमला नहीं

इस पूरे विवाद और वैन के साथ पुलिसबल न होने के गंभीर मुद्दे पर जब प्रशासनिक पक्ष जाना गया, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने अमले की कमी का हवाला दिया। मामले में यातायात डीएसपी गुना, मुकेश दीक्षित का कहना है कि यातायात पुलिस के पास वर्तमान में पर्याप्त अमला उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से टोइंग वैन के साथ नियमित रूप से पुलिसकर्मी नहीं भेजा जा पा रहा है। हालांकि, अधिकारियों के इस तर्क से जनता संतुष्ट नहीं है। नागरिकों का कहना है कि यदि पुलिसबल नहीं है तो निजी ठेकेदारों को बिना निगरानी के जनता का उत्पीड़न करने की खुली छूट कैसे दी जा सकती है। त्यौहार के इस व्यस्त समय में प्रशासन से मांग की जा रही है कि या तो टोइंग वैन के साथ पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं अथवा वैकल्पिक पार्किंग की पुख्ता व्यवस्था होने तक इस दंडात्मक कार्रवाई पर तुरंत रोक लगाई जाए।

पट्टे की जमीन पर 15 साल से दबंगों का कब्जा

गुना। शासन की ओर से गरीबों के उत्थान और आजीविका के लिए पट्टे दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकत अक्सर कागजों से बहुत दूर होती है। इसका जीवंत उदाहरण आरोन थाना क्षेत्र के अनरतपुरा गांव से सामने आया है, जहां एक वृद्ध महिला पिछले 15 वर्षों से अपनी ही पट्टे की जमीन पर कब्जा पाने के लिए प्रशासनिक दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर है।

दरअसल, मंगलवार को जिला जनसुनवाई में अपनी फरियाद लेकर पहुंची शांतिबाई बेबा रतना सहरिया ने जिला प्रशासन के सामने अपनी ब्यथा रखते हुए न्याय की गुहार लगाई। लिखित शिकायत के अनुसार, गांव के सर्वे क्रमांक 122 में उनके परिवार के नाम वैध पट्टा भूमि दर्ज है। आरोप है कि इस जमीन पर गांव के ही नन्नू पुत्र शिबूआ, तथा बनवारीलाल और रामबाबू पुत्रगण मिश्रीलाल अहिरवार ने पिछले डेढ़ दशक से जबरन कब्जा जमा रखा है। पीड़िता का कहना है कि जब भी उनका परिवार अपनी कानूनी रूप से वैध भूमि पर खेती करने या जाने का प्रयास करता है, तो ये लोग विवाद पर उतारू हो जाते हैं और जान से मारने की धमकियां देते हैं। परिवार के पास आय का अन्य कोई दूसरा साधन न होने के कारण वे दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं और अपनी ही जमीन पर बेबस खड़े रहने को विवश हैं। वृद्धा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध कब्जे को तत्काल प्रभाव से हटवाया जाए।

चंपत को बचा रहे मोदी: सिंह

सत्य सनातन यात्रा के 15वें दिन पटोंदी में गरजे पूर्व मुख्यमंत्री

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



गुना। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुवाई में जारी 'सत्य सनातन यात्रा' अपने 15वें दिन में प्रवेश कर चुकी है। अब तक लगभग 250 किलोमीटर का सफर तय कर यात्रा का 25 फीसदी रूट पूरा हो चुका है। मंगलवार सुबह बीनागंज में दिग्विजय सिंह ने रोजाना की तरह राष्ट्रध्वज फहराकर यात्रा की शुरूआत की। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह भी साथ मे मौजूद थे। इसके बाद निकटवर्ती ग्राम पटोंदी पहुंचने पर उन्होंने जिला और ब्लॉक कांग्रेस कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने घोषणा की कि 4 नवंबर को यह यात्रा राघौगढ़ विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश करेगी। दिग्विजय सिंह ने स्पष्ट किया कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की पवित्र परंपराओं का पालन करते हुए उसके नाम पर दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ जनता को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि सनातन का वास्तविक अर्थ सभी धर्मों का सम्मान और सर्वधर्म समभाव है, और वे सनातन के स्वाभिमान को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राम मंदिर निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि जिस महिपाल सिंह ने राम मंदिर चंदा चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी, चंपत राय ने उन्हें ही बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसी तरह उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर दीनानाथ वर्मा को उनकी ईमानदारी के कारण जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन जब उन्होंने खुलासा किया कि अनिल मिश्रा उनसे 40 प्रतिशत कमीशन मांग रहे हैं, तो दीनानाथ वर्मा की भी छुट्टी कर दी गई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि इन दोनों अधिकारियों के बयानों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंपत राय को बचाने में जुटे हुए हैं।

जिन्होंने शिकायत की उन्हें निकाला

कार्यक्रम के दौरान दिग्विजय सिंह ने जब जनता से पूछा कि क्या राम जन्मभूमि न्यास में चोरी हुई है और चंपत राय, अनिल मिश्रा तथा गोपाल राय जैसे लोगों को अपराधी बनाकर जेल भेजना चाहिए, तो भीड़ ने एक स्वर में चंदा चोरों को जेल भेजने की वकालत की। इस दौरान पूरे माहौल में 'बम-बम भोले', 'जय सियाराम' और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। मंच पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भागवत जी के भजनों और संदेशों को गाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिस पर यात्रियों ने जमकर तालियां बजाईं।

मधुसूदनगढ़ से भी जुड़ा 'सत्य सनातन यात्रा' का कारवां

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन यात्रा' में मधुसूदनगढ़ क्षेत्र का आत्मीय जुड़ाव देखने को मिल रहा है। सोहन खेड़ी के भजन सिंह मीणा 20 अक्टूबर को उज्जैन से शुरू हुई इस यात्रा में लगातार शामिल हैं। उन्होंने अयोध्या तक पदयात्रा का संकल्प जताते हुए बताया कि उनके पिता, पूर्व मंडी उपाध्यक्ष स्वर्गीय भीकम सिंह मीणा ने भी दिग्विजय सिंह की नर्मदा परिक्रमा पूरी की थी। उनके निधन के बाद अब वे इस परंपरा को निभा रहे हैं। यात्रा को मिल रहे व्यापक समर्थन पर पूर्व जनपद अध्यक्ष घनश्याम पालीवाल ने कहा कि वे 1977 से दिग्विजय सिंह के साथ काम कर रहे हैं।

जलभराव की समस्या का होगा स्थाई समाधान



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

अशोकनगर। नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मानोरिया ने मोहरी रोड पर निमार्णाधीन नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उल्लेखनीय है कि मोहरी रोड पर वर्षों से बारिश के दौरान पानी भरने के कारण स्थानीय नागरिकों एवं राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

इस परियोजना के तहत आरोन रोड चुंगी नाका से दोनों ओर चिंतहरण मंदिर श्री परशुराम चौराहा तक पेवर्स लगाए जाएंगे। साथ ही घाटी के नीचे से नाला निर्माण कराया जा रहा है तथा दूसरी ओर वार्ड क्रमांक 16 की तरफ नाली निर्माण का कार्य भी शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा।इन कार्यों के पूर्ण होने से मोहरी रोड पर वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या का स्थायी निराकरण हो सकेगा। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों की इस पुरानी समस्या को दूर करने के लिए किए जा रहे कार्यों से स्थानीय नागरिकों में खुशी का माहौल है। निरीक्षण के दौरान मानोरिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपयंत्री आयुष वर्मा, सचिन रघुवंशी एवं शिव शर्मा उपस्थित रहे।

दीपावली के उत्साह में डूबा गुना का बाजार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



गुना। प्रकाश के पर्व दीपावली और धनतेरस से पहले ही गुना के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में त्यौहार की खरीदारी को लेकर आम जनता का उत्साह चरम पर है। आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल शोरूम्स पर अभी से ही खरीदारों की भारी भीड़ जुट रही है। इस बार बाजार में आए नए-नए प्रोडक्ट्स और आकर्षक ऑफर्स ग्राहकों को खासा लुभा रहे हैं, जिससे व्यापारी वर्ग भी काफी उत्साहित है।

शहर के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में त्यौहार की खास हलचल है। प्रसिद्ध प्रतिष्ठान गोपाल इलेक्ट्रॉनिक्स ग्राहकों के स्वागत के लिए पूरी तरह सज चुका है, जहां मोबाइल से लेकर लेटेस्ट एलईडी टीवी और अन्य होम एप्लायंसेज बेहद आकर्षक दामों में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी प्रकार सराफा बाजार में भी भारी रौनक छाई हुई है। शहर के प्रतिष्ठित आभूषण विक्रेताओं जैसे राधा ज्वैलरी और राधा ऑरनामेंट्स पर अभी से ही ग्राहकों की लंबी कतारें और एडवांस बुकिंग देखने को मिल रही है। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल सेक्टर ने भी दीपावली पर जबरदस्त रफ्तार पकड़ ली है।

वाहनों की खरीदारी और बुकिंग को लेकर लोगों में खासा क्रेज

वाहनों की खरीदारी और बुकिंग को लेकर लोगों में खासा क्रेज देखा जा रहा है। टीवीएस शोरूम के संचालक राजीव जैन के अनुसार, इस त्यौहार पर ग्राहकों की ओर से बहुत ही शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं हीरो शोरूम गगन मोटर्स पर भी धनतेरस के शुभ मुहूर्त में डिलीवरी लेने के लिए ग्राहक बड़े पैमाने पर अग्रिम बुकिंग करा रहे हैं। कुल मिलाकर, त्यौहार से पहले ही गुना का पूरा बाजार जगमगा उठा है और चारों तरफ ग्राहकों की चहल-पहल से व्यापारी बेहद प्रसन्न हैं।

जनसुनवाई में दिव्यांग को मिली ट्रायसाइकिल, जरूरतमंदों को मदद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। पर्वों का उल्लास तब और बढ़ जाता है जब किसी जरूरतमंद के जीवन में राहत का उजाला पहुंच जाए। स्थानीय कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां तमाम समस्याओं के बीच प्रशासन के त्वरित और संवेदनशील फैसलों ने कई परिवारों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी।

दीपावली के नजदीक होने के कारण कलेक्ट्रेट में आवेदकों की खासी भीड़ उमड़ी थी, जहां पुरानी और रोजमर्रा की शिकायतों के बीच मानवीय संवेदनाओं से जुड़े कुछ ऐसे क्षण भी सामने आए जिन्होंने सबका दिल जीत लिया। जनसुनवाई के दौरान एक दिव्यांग आवेदक जब अपनी पीड़ा लेकर पहुंचा, तो कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत निर्देश दिए। कुछ ही पलों में वहां ट्रायसाइकिल मंगवाई गई और कलेक्टर ने स्वयं अपने हाथों से उसे दिव्यांग आवेदक को सौंपी। आवेदक की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वह चेहरे पर मुस्कान लिए रवाना हुआ। इसके अलावा, अपनी गंभीर आर्थिक जरूरतों और परेशानियों को लेकर पहुंचे पांच अन्य आवेदकों की लिखित पुकार पर भी प्रशासन ने तुरंत मुहर लगाई। कलेक्टर ने रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से इन सभी पांचों आवेदकों के लिए तत्काल सहायता राशि स्वीकृत करने के आदेश जारी किए।

राज्यसभा प्रत्याशी हरदीप पुरी के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस, पुतला जलाया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

गुना। मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद सियासी पारा चढ़ गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिला मुख्यालय पर गुना शहर कांग्रेस कमेटी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता दोपहर करीब 1 बजे हनुमान चौराहे पर एकत्रित हुए और भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए हरदीप पुरी के चित्रों को आग के हवाले कर दिया।

प्रदर्शन के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने भाजपा के इस फैसले को प्रदेश के स्थानीय नेतृत्व का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में योग्य नेताओं और कार्यकताओं की कोई कमी नहीं है, ऐसे में पार्टी को राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों का परिचय देते हुए प्रदेश के ही किसी व्यक्ति को राज्यसभा भेजने का अवसर देना चाहिए था। बाहरी नेताओं को तरजीह देकर भाजपा ने यह साबित कर दिया है कि वह स्थानीय जनभावनाओं की अनदेखी कर रही है। रजनीश शर्मा ने हरदीप पुरी की कार्यशैली और चरित्र पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनका नाम पूर्व में महिलाओं एवं छोटी बच्चियों से जुड़े कई अनैतिक मामलों व अंतरराष्ट्रीय विवादों में सामने आता रहा है।

आयोजन | **उद्यानिकी कमिश्नर सौरभ कुमार सुमन ने ली हाईलेवल बैठक**

राजगढ़ बनेगा लहसुन का हब, 7 जिले जुड़ेंगे

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



राजगढ़। राजगढ़,मोहनपुरा - कुंडालिया प्रेशराइज्ड सिंचाई परियोजना से जिले के खेतों तक पानी पहुंचने के बाद अब राजगढ़ में खेती का स्वरूप बदलने की तैयारी है। परंपरागत खेती के स्थान पर आधुनिक और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जिले को लहसुन उत्पादन के बड़े क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। खास बात यह है कि इस क्लस्टर से आसपास के 6 से 7 जिलों को भी जोड़ा जाएगा। यानी राजगढ़ आने वाले समय में न केवल लहसुन उत्पादन का केंद्र बनेगा, बल्कि यहां से उन्नत किस्मों, उत्पादन की गुणवत्ता और बाजार की संभावनाओं को भी नई दिशा मिलेगी।

इसी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए मंगलवार को मोहनपुरा-कुंडालिया परियोजना कार्यालय में उद्यानिकी कमिश्नर श्री सौरभ कुमार सुमन ने अधिकारियों, सिंचाई परियोजना से जुड़े प्रतिनिधियों और निजी कंपनियों के साथ हाईलेवल बैठक की।

हाइब्रिड डीपीआर से तय होगी खेती की दिशा

लहसुन क्लस्टर विकसित करने के लिए हाइब्रिड डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके लिए एक निजी संस्था को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि एलएंडटी और जैन इरिगेशन मैदानी स्तर पर सहयोग करेंगे। मोहनपुरा - कुंडालिया परियोजना से सिंचित क्षेत्र का विस्तृत डाटा जुटाया जाएगा। इसमें काट्रैक्ट फार्मिंग करने वाले किसानों के साथ-साथ स्वतंत्र रूप से खेती करने वाले किसानों को भी शामिल किया जाएगा। इसके आधार पर उपयुक्त क्षेत्र, किसानों की संख्या, उत्पादन क्षमता और संसाधनों का आकलन होगा।

तीन महीने में तैयार करें बेहतर डीपीआर

कमिश्नर सौरभ कुमार सुमन ने कहा कि मोहनपुरा-कुंडालिया परियोजना जिले के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इतनी बड़ी सिंचाई सुविधा का लाभ केवल फसल उत्पादन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि कृषि में ग्रॉस वैल्यू एडिशन भी होना चाहिए। इसके लिए समयबद्ध तरीके से काम करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को तीन महीने में उपयुक्त क्षेत्र का चयन कर बेहतर डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों की मजबूत नेटवर्किंग विकसित की जा सके। इसी आधार पर भविष्य की योजनाएं तैयार होंगी।

प्रोफेशनल टीम करेगी काम, एफपीओ को भी जोड़ेंगे

कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि राजगढ़ को लहसुन का हब बनाने के लिए पेशेवर तरीके से काम करना होगा। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई जाएगी। स्थानीय स्तर पर अनुभवी लोगों को जोड़ा जाएगा और फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) को मजबूत किया जाएगा। अगले छह महीने में किसानों को एकजुट कर नए वित्तीय वर्ष में योजना को जमीन पर उतारने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि शुरूआती चार महीने विभागीय स्तर पर मजबूती से काम करना होगा।

दिवाली और धनतेरस पर यातायात व्यवस्था , 6 स्थानों पर पार्किंग निर्धारित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



अशोकनगर। धनतेरस और दीपावली पर्व के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक और पार्किंग प्लान जारी किया है। यह व्यवस्था 4 नवंबर 2026 से 09 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। सराफा, बर्तन, कपड़ा और सदर बाजार जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में मुख्य पॉइंट्स से सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा, ताकि श्रद्धालु और खरीदार पैदल आसानी से आवागमन कर सकें।

व्यापारिक क्षेत्रों में जाकिर स्टील फर्नीचर गली से तारई स्टील दुकानों तक, मनोज रेडीमेड से केशु अखाई तक, मनोज ज्वैलर्स से घनश्याम ज्वैलर्स तक तथा लखन चाट से डॉ. राकेश जैन वाली गली तक नो-व्हीकल जोन घोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त मिलन तिराहा, एफओबी, पुराना न्यायालय, रेस्ट हाउस और इंदिरा पार्क से गांधी पार्क की ओर दो-पहिया वाहनों को छोड़कर चार-पहिया, तीन-पहिया, ट्रैक्टर और लोडिंग वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मिलन तिराहा से रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों से प्लेटफॉर्म नंबर 02 या वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है।

पुलिस ने सुचारू यातायात के लिए 6 प्रमुख पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं:

पार्किंग 01 (मिलन तिराहा पेट्रोल पंप): विदिशा व ईसागढ़ रोड से आने वाले वाहनों के लिए।
पार्किंग 02 (पुराना रेस्ट हाउस) व **पार्किंग 03** (पुराना न्यायालय): मुख्य बाजार में आने वाले आम चालकों के लिए।
पार्किंग 04 (पुराना पोस्ट ऑफिस परिसर): सराफा बाजार आने वाले खरीदारों के लिए।
पार्किंग 05 (रामलीला मंच, सुभाषगंज): इंदिरा पार्क की तरफ से आने वाले दो और चार-पहिया वाहनों के लिए।
पार्किंग 06 (गौशाला रोड, वर्धमान स्कूल सामने): बड़े वाहनों (ट्रैक्टर, लोडिंग व चार-पहिया) के लिए।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)